।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 270

नर्मदापुरम
रविवार, 13 जुलाई 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

जो दूसरों की भलाई करना चाहता है, उसने अपना भला तो कर भी लिया।
- कन्फ्यूशियस

संक्षिप्त समाचार

सीएम आज सात दिवसीय दुबई-स्पेन की यात्रा पर होंगे रवाना

भोपाल। मध्य प्रदेश में विदेशी निवेश को आमंत्रित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 जुलाई को दुबई और स्पेन की 7 दिवसीय यात्रा पर रवाना होंगे। मुख्यमंत्री दुबई में 13 से 16 जुलाई तक और स्पेन में 16 से 19 जुलाई तक निवेश को लेकर इंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कॉउंसिल के प्रतिनिधियों के साथ प्रमुख बैठक प्रस्तावित है, जहां मध्यप्रदेश की औद्योगिक तैयारियों और निवेश नीति को लेकर प्रस्तुतियां दी जाएंगी। जनसम्पर्क अधिकारी बबीता मिश्रा ने शनिवार को बताया कि मुख्यमंत्री रविवार को दुबई यात्रा के पहले दिन मध्य प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और वैश्विक पहचान को मजबूत करने वाले कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। प्रवासी भारतीयों, उद्योगपतियों और फ्रेंड्स ऑफ एमपी के साथ संवाद की श्रृंखला शुरू होगी, जिसमें मुख्यमंत्री प्रदेश के नवाचार, निवेश और संस्कृति से जुड़े विविध पहलुओं को सामने रखेंगे। उन्होंने बताया कि दिन की शुरुआत दुबई के होटल अटलांटिस में 'ब्रांड मध्य प्रदेश' कार्यक्रम से होगी। प्रदेश की उपलब्धियों, निवेश अवसरों और सांस्कृतिक पहचान को दर्शाने वाली प्रेरणादायक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश की विविधता और क्षमताओं को दर्शाने वाली थीम प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे, साथ ही प्रवासी समुदाय को मध्यप्रदेश की बदलती तस्वीर से अवगत कराएंगे।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 : इंदौर-उज्जैन समेत मप्र के आठ शहर होंगे राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

भोपाल। केन्द्र सरकार द्वारा शनिवार वर्ष 2024 के स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कारों की घोषणा कर दी गई है। हर वर्ष की तरह मध्य प्रदेश ने इस वर्ष भी अपनी विजय पताका फहराई है। प्रदेश के 8 शहरों को इस राष्ट्रीय आयोजन में सम्मानित किया जाएगा। इन सम्मानों में स्वच्छता लीग सम्मान, राष्ट्रपति सम्मान, देश और राज्यों की विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले निकायों को सम्मानित किया जाएगा। इसके लिये 17 जुलाई को नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक गरिमामय आयोजन होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी। मध्य प्रदेश के 8 शहरों में सुपर लीग श्रेणी में इंदौर, उज्जैन और बुधनी हैं। इस श्रेणी में सिर्फ वे शहर शामिल किए जाते हैं, जिन्होंने पिछले तीन सालों में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया हो और उत्तरोत्तर प्रगति की संभावनाएं सृजित की हों। इसी प्रकार राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त करने वाले शहरों में भोपाल, देवास और शाहगंज शामिल हैं। इसके अलावा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा प्रदेश के जबलपुर और ग्वालियर को उनके उल्लेखनीय प्रयासों के लिये सम्मानित किया जाएगा। कचरा मुक्त शहरों की स्टार रेटिंग और ओडीएफ/ वॉटर प्लस के परिणाम भी उसी दिन जारी किए जाएंगे। वहीं दूसरी तरफ मप्र के पड़ोसी राज छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों ने राष्ट्रीय स्तर पर एक बार फिर धमक दिखाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार समारोह में राज्य के 7 नगरीय निकायों को स्वच्छता के पैमानों पर खरे उतरने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा जाएगा। केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल और केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू भी पुरस्कार समारोह में शामिल होंगे।

अंतर्मना उवाच

सिंहनिष्क्रीडित व्रतकर्ता, अन्तर्मना आचार्यश्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज की तरुण सागरम तीर्थ पर निरंतर नो दिन की निर्जला उपवास के पश्चात संपन्न हुई भव्य महापारणा

जागती हुई चींटी की शक्ति, सोते हुये हाथी से ज्यादा होती है.. मन के संकल्प की शक्ति, हजार हाथियों से बढ़कर होती है.. और हिम्मत हारने वालों की शक्ति, चींटी से भी कम हो जाती है..!

मनुष्य की सभी शक्तियां मन के संकल्प पर निर्भर करती है। इसलिए ***मैं कहता हूं - कर लो दृढ़ संकल्प, देवता चरण पखारेंगे।*** *मन के संकल्प की अद्भुत संभावनाएं है। जो लोग जिंदगी में हारते हैं, उसमें उनकी परिस्थितियां कम होती है, क्योंकि उनके मन को हारने की स्वीकृति ज्यादा होती है। जो लोग जिंदगी में असफल होते चले जाते हैं, उनकी असफलताओं में संसार बहुत कम साथ देता है और उनके सहयोग में बहुत कम हाथ बंटाता है।* ***100 में से 90 फ़ीसदी आदमी मन से हारने को तैयार है, तो 10 फ़ीसदी लोग उनका साथ देने को तैयार हो जाते हैं।***

आज की दुनिया में जो लोग जीतते चले जाते हैं, उनका भी नियम वही है और जो लोग हारते चले जाते हैं, उनका भी नियम वही है। जो लोग स्वस्थ है, उनके लिए भी नियम वही है और जो अस्वस्थ है, उनके लिए भी नियम वही है। इस जिंदगी में जो लोग शांत है, उनके लिये भी वही नियम है और जो अशांत हैं, उनके लिए भी वही नियम है। ***आप क्या होना चाहते हैं..!*** *बहुत गहरे अर्थ में आप वही हो जाते हैं जो होना चाहते हैं।*

विचार वस्तुएं बन जाती है, विचार घटनाएं बन जाती है, और विचार व्यक्तित्व बन जाते हैं...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान-अभिमान हैं, हर बहन को देंगे पक्का मकान

मुख्यमंत्री ने 1.27 करोड़ लाड़लियों के खातों में ट्रांसफर किए 1543.16 करोड़

30 लाख बहनों को उज्ज्वला योजना की सब्सिडी के रूप में 46.34 करोड़ और सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 340 करोड़ मिले

उज्जैन ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को उज्जैन जिले की ग्राम पंचायत नलवा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाडली बहनों को 26वीं किश्त के रूप में 1543.16 करोड़ की सहायता राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की। उन्होंने 30 लाख से अधिक बहनों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत सिलेंडर रिफिलिंग के लिए 46.34 करोड़ सब्सिडी राशि तथा 56.74 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन हितग्राहियों को 340 करोड़ की पेंशन राशि भी उनके बैंक खातों में अंतरित की।

इस अवसर पर सीएम ने कहा कि राखी भाई-बहन के परस्पर स्नेह का बंधन है। यह अनंतकाल से चला आ रहा अटूट बंधन है। राखी आई है, तो भाई का बहन को शगुन देना लाजिमी है। राखी 9 अगस्त को है। इसलिए राखी से पहले हमारी सरकार सभी लाड़ली बहनों को 250 रुपये की अतिरिक्त राशि शगुन के रूप में देगी। दीपावली के बाद आने वाली भाईदूज तक राज्य सरकार सभी लाड़ली बहनों को 1250 से बढ़ाकर हर माह 1500 सहायता राशि देगी। हम यही नहीं रुकेंगे, बल्कि प्रदेश की हर लाड़ली बहन को पक्का मकान भी बनाकर देंगे। उन्होंने राज्य सरकार का संकल्प दोहराते हुए कहा कि लाड़ली बहनों को दी जा रही यह सहायता राशि धीरे-धीरे बढ़ाकर 3000 रुपये प्रतिमाह कर दी जाएगी। इस अवसर सीएम ने लाड़ली लक्ष्मी योजना, लाड़ली बहना योजना, प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्जवलन एवं कन्या-पूजन के साथ राज्यस्तरीय राशि अंतरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। साथ ही लाड़ली बहनों का पुष्पवर्षा के साथ अभिवादन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित माता-बहनों ने पवित्र श्रावण मास में मुख्यमंत्री को राखी बांधी।

शगुन की राशि अगस्त में बहनों को खातों में अंतरित की जाएगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बहनें देश का सौभाग्य हैं। बहनों के कल्याण के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार सभी दायित्वों का बखूबी निर्वहन कर रही है। बहनों के मान-सम्मान और उनके सिंदूर की रक्षा करना और उन्हें आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना सरकार की प्राथमिकता मे है। हम देश की आधी आबादी को उनका पूरा हक दिलाने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। देश की सभी बहनों को पक्के घर की सौगात मिले, इसके लिए पीएम आवास योजना के तहत निर्मित चार करोड़ से अधिक पक्के मकानों की रजिस्ट्री बहनों के नाम से ही की जा रही है। प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के त्यौहार से पहले 1543 करोड़ राशि दी गई है। राखी से पहले बहनों को 250 रुपये का शगुन अलग से भेजा जाएगा।

देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले आयोजित

पीएम मोदी ने 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को रोजगार मेले में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नियुक्त हुए युवाओं को 51 हजार से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस बार 16वां रोजगार मेला देशभर के 47 स्थानों पर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों नौजवानों को भारत सरकार में स्थायी नौकरी मिल चुकी है। अब ये नौजवान राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को नियुक्ति पत्र देने का अभियान लगातार जारी है और बिना पर्ची बिना खर्ची के नौकरी हमारी पहचान भी है।

प्रधानमंत्री ने अपनी पांच देशों की हालिया यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने अन्य देशों के साथ जो भी समझौते किए हैं, उनसे हमारे युवाओं को निश्चित रूप से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया मान रही है कि भारत के पास दो असीमित शक्तियां हैं। एक डेमोग्राफी और दूसरी डेमोक्रेसी यानि सबसे बड़ी युवा आबादी और सबसे बड़ा लोकतंत्र।

उन्होंने कहा कि स्टार्टअप्स, इनोवेशन और रिसर्च का जो इकोसिस्टम आज देश में बन रहा है वो देश के युवाओं का सामर्थ्य बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है।

प्रधानमंत्री ने 'मराठा सैन्य परिदृश्यों' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने पर जताई खुशी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के मराठा सैन्य परिदृश्यों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किये जाने पर अत्यधिक गर्व और प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने लोगों से 12 ऐतिहासिक किलों की धरोहर देखने का आग्रह करते हुए बताया कि इनमें से 11 किले महाराष्ट्र में और एक तमिलनाडु में स्थित है। मराठा साम्राज्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जब हम गौरवशाली मराठा साम्राज्य की बात करते हैं, तो हम इसे सुशासन, सैन्य शक्ति, सांस्कृतिक गौरव और सामाजिक कल्याण पर जोर से जोड़ते हैं। महान शासक किसी भी अन्याय के आगे न झुकने के अपने साहस से हमें प्रेरित करते हैं। उन्होंने नागरिकों से मराठा साम्राज्य के समृद्ध इतिहास के बारे में जानने के लिए इन किलों का दौरा करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने 2014 में रायगढ़ किले की अपनी यात्रा की यादें भी साझा कीं, जिसमें एक तस्वीर भी शामिल थी जिसमें उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की थी। इस संबंध में यूनेस्को की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, हर भारतीय इस सम्मान से अभिभूत हैं।

ईडी ने गुरुग्राम में बिल्डर और ऑटो पार्ट कंपनी की 1200 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

गुरुग्राम ■ एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने रामप्रस्थ प्रमोटर्स एंड डेवलपर्स और एमटेक ऑटो से जुड़े दो अलग-अलग धन शोधन मामलों में गुरुग्राम क्षेत्र में 681.54 करोड़ रुपये और 588.57 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कीं।

एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पहले मामले में, ईडी ने घर खरीदारों के साथ धोखाधड़ी करने के आरोप में रामप्रस्थ प्रमोटर्स की अचल संपत्तियां कुर्क कीं। जांच से पता चला कि आरपीडीपीएल ने 2,000 से ज्यादा घर खरीदारों से 1,100 करोड़ रुपये वसूले, लेकिन समय पर परियोजनाएं पूरी नहीं कीं। ईडी के एक बयान में कहा गया है कि कुर्क की गई संपत्तियों में गुरुग्राम के सेक्टर 37डी, सेक्टर 92 और 95 में स्थित 226 एकड़ में फैली रामप्रस्थ सिटी की दो प्लॉटेड कॉलोनियां और हरियाणा के गुरुग्राम में बसई, गाडोली कलां, हयातपुर और वजीपुर गाँवों में स्थित 1,700 एकड़ के भूखंड शामिल हैं। संघीय एजेंसी ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), नई दिल्ली और हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत जाँच शुरू की।

ईडी की बड़ी कार्रवाई: सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल अब्राहम और ब्रोकर जीतेंद्र प्रसाद को किया अरेस्ट

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कोलकाता यूनिट ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में सहारा ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें सहारा ग्रुप के पूर्व निदेशक अनिल अब्राहम और एक पुराने प्रॉपर्टी ब्रोकर जीतेंद्र प्रसाद शामिल हैं। ईडी के सूत्रों के अनुसार, अनिल अब्राहम और जीतेंद्र प्रसाद पर सहारा ग्रुप की मिलीभगत से कई प्रॉपर्टी गैर-कानूनी तरीके से बेचने और उस धन को मनीलॉन्ड्रिंग के जरिए इधर-उधर करने का आरोप है। इस पूरे मामले में करोड़ों रुपये के लेन-देन का संदेह है। ईडी के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि एजेंसी ने हाल ही में कोलकाता में छापेमारी की थी, जिसके दौरान ये गिरफ्तारियां हुईं। ईडी की इस रेड में कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए गए हैं, जिनके आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। ईडी अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई सहारा ग्रुप के खिलाफ चल रही उस बड़ी जांच का हिस्सा है जिसमें आम जनता की भारी भरकम रकम बकाया है।

भोपाल : पीएम रोजगार मेले में 261 को सौंपे नियुक्ति पत्र

सेवाभाव व ईमानदारी से करें काम : शिवराज सिंह

भोपाल ■ प्रतिनिधि

नर्मदा रेलवे क्लब ऑडिटोरियम हबीबगंज में शनिवार को प्रधानमंत्री रोजगार मेला आयोजित किया गया। यहां पश्चिम-मध्य रेलवे भोपाल मंडल ने विभिन्न विभागों में चयनित 261 अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किए। इनमें 201 अभ्यर्थी रेलवे विभाग और 60 अभ्यर्थी अन्य केंद्रीय विभागों (बैंकिंग, सीआईएसएफ, डाक, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो आदि) से संबंधित थे। भोपाल में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नियुक्ति पत्र बांटते हुए अभ्यर्थियों को सेवा भावना और ईमानदारी से कार्य करने का संदेश दिया।

गाड़ी की बजाए हाथ में फास्टैग लेकर चलने वालों की खैर नहीं, एनएचएआई करेगा ब्लैकलिस्ट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अब अगर आप टोल से गुजरते वक्त फास्टैग को गाड़ी के शीशे पर चिपकाने की बजाय हाथ में लेकर चलते हैं तो संभल जाइए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने ऐसे लूज फास्टैग वालों पर सख्ती करने का फैसला किया है।

दरअसल कुछ वाहन मालिक जानबूझकर फास्टैग को गाड़ी पर नहीं लगाते, ताकि एक ही टैग से कई गाड़ियों का काम चलाया जा सके या सिस्टम को किसी तरह से चकमा दिया जा सके। एनएचएआई ने अब टोल प्लाजा पर काम कर रही एजेंसियों को यह अधिकार दिया है कि वे ऐसे टैग्स की रिपोर्ट तुरंत कर सकें। इसके लिए एक ई-मेल आईडी भी दी गई है, जहां ये जानकारी भेजी जाएगी। रिपोर्ट मिलते ही एनएचएआई ऐसे टैग्स को ब्लैकलिस्ट या हॉटलिस्ट कर देगा ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके। एनएचएआई के मुताबिक, यह कदम इसलिए भी जरूरी हो गया है क्योंकि देश में अब मल्टी-लेन फ्री फ्लो टोलिंग और वार्षिक पास जैसी नई तकनीकें लागू की जा रही हैं, जिनमें फास्टैग की सही पहचान और निष्पक्ष उपयोग बेहद जरूरी है। लूज फास्टैग की वजह से टोल लेन में जाम, गलत कटौती और सिस्टम में गड़बड़ी जैसी दिक्कतें सामने आती हैं, जिससे बाकी यात्रियों को भी परेशानी होती है। एनएचएआई का कहना है कि फास्टैग अब तक 98 फीसदी से ज्यादा वाहनों पर लग गया है।

केंद्रीयमंत्री चिराग पासवान को बम से उड़ाने की धमकी

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोजपा (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को एक इंस्टाग्राम अकाउंट से 20 जुलाई तक बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जमुई सांसद और चिराग पासवान के जीजा ने एक्स पोस्ट में इसके लिए राजद पर आरोप लगाया है। पटना के साइबर थाने में लोजपा (रा) के मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट ने इस पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। चिराग को धमकी मिलने के बाद पार्टी में हड़कंप मच गया है। भट्ट ने बताया कि यू-ट्यूबर दक्षाप्रिया के इंस्टाग्राम अकाउंट के कमेंट्स सेक्शन में टाइगर मेराज इदिसी ने चिराग पासवान को बम से उड़ाकर जान से मारने की धमकी दी है।

मिज़ोरम में असम राइफल्स का अभियान 112.40 करोड़ की मेथामफेटामिन बरामद

आइजोल ■ एजेंसी

मिज़ोरम के भारत-म्यांमार सीमा से लगे चंफाई ज़िले में असम राइफल्स द्वारा चलाए गए एक विशेष अभियान में 112.40 करोड़ रुपये मूल्य की मेथामफेटामिन टैबलेट्स की बड़ी खेप जब्त की गई है। असम राइफल्स के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा शनिवार को जारी एक बयान में बताया गया कि यह कार्रवाई शुक्रवार को ज़ोखावथार गांव के पास की गई। शाम के समय गश्ती पर निकली टीम ने देखा कि दो व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास भारी रकसैक (बैग) लेकर जा रहे हैं। उन्हें रोका गया और जब बैग की तलाशी गयी, तो उसमें से 3.33 लाख मेथामफेटामिन टैबलेट्स बरामद की गईं। बयान में आगे बताया गया कि तस्कर तियाउ नदी के रास्ते म्यांमार की ओर भाग निकले। बरामद मादक पदार्थों को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए ज़ोखावथार पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

उत्तराखंड के चंपावत में नेपाल सीमा पर 10.23 करोड़ की एमडीएमए ड्रग्स जब्त, महिला तस्कर गिरफ्तार

चंपावत। उत्तराखंड की चंपावत पुलिस ने शनिवार को नेपाल सीमा के शारदा नहर क्षेत्र में 5.688 किलोग्राम एमडीएमए ड्रग्स, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.23 करोड़ रुपये है, बरामद की। एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया गया, जबकि उसका पति और साथी फरार हो गए। पुलिस अधिक्षक (एसपी) अजय गणपति ने पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह गैंग पिथौरागढ़ जिले के थल क्षेत्र में एक लैब चला रहा था, जहां यह ड्रग्स तैयार की जाती थी। पिथौरागढ़ पुलिस ने पहले ही उस लैब को सील कर वहां से उपकरण जब्त कर लिए हैं।

भोपाल में 40 करोड़ रुपए से बनेगा एक्वा पार्क, मुख्यमंत्री ने किया भूमिपूजन

मत्स्य पालन को मिलेगा उद्योग का दर्जा, अन्य उद्योगों की तरह मिलेगी सुविधाएँ : डॉ. यादव

उज्जैन/भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भगवान श्रीराम के मित्र महाराज निषादराज ने सबसे पहले श्रीराम की प्रभुता को पहचाना था। मछुआ समुदाय अपने जीवन को खतरे में डालकर पानी में खेती करता है, यह साहस का कार्य है। मछली और मछुआरों का सदियों से संबंध रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में भी मछुआ कल्याण बोर्ड के माध्यम से कई योजनाएं संचालित हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार का लाभ दे रही है। मछली पालन भी एक उद्योग है, इसे भी अन्य उद्योगों की तरह सभी सुविधाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादवने मछुआरा समुदाय को बेहतर जीवन के लिए प्रेरित किया।

सीएम शनिवार को उज्जैन स्थित कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में आयोजित राज्य स्तरीय निषादराज सम्मेलन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने मत्स्य पालन से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलित कर एवं भगवान निषादराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर राज्य स्तरीय सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्वा पार्क (मछलीघर) का भूमिपूजन भी किया।

मछुआरों को आईस बॉक्स लगी 430 बाइकें बांटी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मछुआरों को 430 मोटर साइकिलें बांटी गई हैं, जिनमें आईस बॉक्स भी लगे हैं। प्रदेश में वर्तमान में 4.4 लाख हेक्टेयर में मछली पालन कार्य हो रहा है, वर्ष 2024-25 में प्रदेश का मछली उत्पादन 3.81 लाख मैट्रिक टन रहा। प्रदेश में लगभग 2 लाख से अधिक मत्स्य पालक पंजीकृत हैं। महिलाएं भी इस व्यवसाय में अग्रणी हैं। उन्होंने कहा कि 217 करोड़ लागत से मछली बीज उत्पादन के लिए आधुनिक हैचरी का निर्माण किया जाएगा। इससे बीज के लिए बंगाल पर निर्भरता खत्म होगी।

मानसून सत्र में आएगा मेट्रोपॉलिटन बिल, मेट्रोपॉलिटन रीजन वाला 13 वां राज्य होगा मप्र

भोपाल-इंदौर के आसपास के जिलों का तैयार होगा विकास का खाका

भोपाल ■ निसं

मप्र में शहरी विकास के ढांचे को आधुनिकीकरण की रफ्तार मिलने वाली है। प्रदेश की मोहन यादव सरकार इसी महीने के आखिरी में शुरू होने जा रहे मानसून सत्र में 'मध्यप्रदेश मेट्रोपॉलिटन नियोजन एवं विकास विधेयक 2025' लाने जा रही है। विधेयक पास होने के बाद कानून बन जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में महानगर विकास प्राधिकरण (मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी) का गठन किया जाएगा। भोपाल एवं इंदौर को मेट्रोपॉलिटन रीजन में विकसित करने के लिए बनाए गए विधेयक को कैबिनेट से पहली ही मंजूरी मिल चुकी है। जिसे अब विधानसभा में

पेश किया जाएगा।

मप्र में मेट्रोपॉलिटन सिटी का प्लान तैयार करने से पहले अधिकारियों ने 12 राज्यों के करीब 18 मेट्रोपॉलिटन रीजन का अध्यन किया। इनमें मुंबई, पुणे, नागपुर, सोनीपत, फरीदाबाद, पंचकुला, गुरुग्राम, हिसार, पटना, हैदराबाद, आंध्रप्रदेश का राजधानी क्षेत्र और विशाखापट्टनम, जम्मू व श्रीनगर, उप्र का राजधानी क्षेत्र, दिल्ली एनसीआर, चेन्नई, कोलकाता, बैंगलुरु और गुवाहाटी शामिल हैं। अलग-अलग राज्यों के मेट्रोपॉलिटन रीजन का अध्ययन करने के बाद मप्र ने इंदौर-भोपाल के लिए प्लान तैयार किया। विधानसभा में विधेयक पारित होने के बाद मप्र मेट्रोपॉलिटन रीजन वाला 13वां राज्य बन जाएगा। इस संबंध में नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि विधानसभा सत्र में विधेयक लाने की तैयारी है। वहीं विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि विधेयक तैयार है।

मेट्रोपॉलिटन रीजन में आकार लेंगे शहर: भोपाल- मेट्रोपॉलिटन रीजन में भोपाल का दायरा लगभग 9,600 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र का होगा। जिसमें भोपाल, सीहोर, रायसेन, विदिशा, और राजगढ़ जिले की 13 तहसीलें शामिल होंगी। इन क्षेत्रों में वर्तमान आबादी लगभग 35 लाख, जो भविष्य में 60 लाख तक पहुंचेगी।

महानगर विकास प्राधिकरण की होगी अहम भूमिका

महानगर विकास प्राधिकरण भोपाल एवं इंदौर नगर निगम सीमा के बाहर मेट्रोपोलिटन एरिया का प्लान तैयार करने के साथ इसके क्रियान्वयन में अहम भूमिका अदा करेगी। साथ ही महानगर योजना समिति (मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग कमेटी) का भी गठन किया जाएगा। ये समिति मेट्रोपॉलिटन रीजन में आने वाले विभिन्न प्राधिकरण, नगरीय निकायों व जिला पंचायतों के मध्य अधोसंरचना विकास एवं नई विकास योजनाओं में समन्वय का काम करेगी।

महावीर हनुमान मंदिर अटल नेहरू नगर भानपुर में पांच पेड़ लगाकर वृक्षारोपण किया

भोपाल। आज शनिवार 12 जुलाई श्री महावीर हनुमान मंदिर अटल नेहरू नगर भानपुर पर वृक्षारोपण किया गया जिसमें भोजपुर जिला कार्यवा महेश राठौर साथ में वार्ड क्रमांक 72 के पार्षद एवं जॉन अध्यक्ष विकास पटेल, कादम्बिनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, नवीन मिश्रा तोरण सिंह कुशवाहा, अशोक अहिरवार, ठेकेदार गुलाब साहू ,मुन्ना भारद्वाज सोनू कुशवाह, कार्तिक पंथी, किशोर मैथिल, सकल प्रसाद एवं लल्लन प्रसाद भाई साहब, , गोतम साहू ,नीरज साहू नीरज साहू अन्य उपस्थित मित्र बंधुओ द्वारा आज पांच पेड़ लगाकर वृक्षारोपण किया । पेड़ लगाओ पर्यावरण बचाओ के नारे के साथ उन पेड़ों की चिंता करने का भी संकल्प लिया और महेश राठौर द्वारा एक संदेश भी दिया । हम सबको अपने व्यक्तिगत प्रयास से कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए। अपने परिवार में अपने बच्चों के जन्मदिवस पर अपने माता-पिता की पुण्यतिथि पर एक पेड़ अवश्य लगाए जिससे शुद्ध हवा मिलती रहे ।

संक्षिप्त समाचार

जीएसटी एवं आयकर से संबंधित मुद्दों पर 2 अगस्त को राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

भोपाल। भोपाल में एसोशिएशन ऑफ टैक्स पेयर एंड प्रोफेशनल (नेशनल फोरम) एवं भोपाल टैक्स प्रैक्टिशनर एसोसिएशन के तत्वाधान में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 2 अगस्त को भोपाल के एमपी नगर स्थित होटल लेमन ट्री में आयोजित की जा रही है। सेमिनार में जीएसटी एवं आयकर से संबंधित मुद्दों पर दो राष्ट्रीय स्पीकर अपनी बात रखेंगे। इस संबंध में एसोशिएशन ऑफ टैक्सपेयर एंड प्रोफेशनल (नेशनल फोरम) के प्रदेश प्रवक्ता धीरज अग्रवाल ने बताया कि 2 अगस्त को भोपाल में होने जा रहे राष्ट्रीय सेमिनार में देशभर से करीब 200 कर सलाहकार एडवोकेट्स और चार्टर्ड अकाउंटेंट हिस्सा लेंगे।

अब प्लेटफॉर्म पर नहीं हो सकेगी वाहनों की एंट्री

भोपाल। रेलवे स्टेशन पर लगातार हो रहे सुरक्षा उल्लंघनों और प्लेटफॉर्म पर वाहनों के प्रवेश को गंभीरता से लेते हुए रेलवे प्रशासन ने अब सख्ती दिखा दी है। स्टेशन के दोनों प्रमुख प्रवेश बिंदुओं को पूरी तरह सील कर दिया गया है। प्लेटफॉर्म-1 स्थित गार्ड लॉबी के पास बने वीआईपी गेट को बंद कर बैरिकेडिंग कर दी गई है, जबकि प्लेटफॉर्म-6 पर इटारसी एंड की ओर से आने वाले रास्ते को भी पूरी तरह बंद कर दिया गया है। रेलवे ने यह कदम लगातार तीसरे दिन सामने आई अवैध वाहन प्रवेश की घटनाओं के बाद उठाया है। आरपीएफ ने न सिर्फ इन दोनों जगहों पर विशेष निगरानी का इंतजाम किया है, बल्कि साफ कर दिया है कि अब कोई भी व्यक्ति चाहे आम नागरिक हो या रेलवे का कर्मचारी प्लेटफॉर्म पर वाहन लेकर नहीं पहुंच सकेगा।

मप्र की अदालतों में लगेगी डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर

भोपाल। मप्र की सभी अदालतों में अब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर लगाई जाएगी। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने इस संबंध में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को पत्र भेजकर आग्रह किया है। यह मांग ओबीसी एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन ने उठाई थी, जिसके बाद एसोसिएशन ने हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कर्नाटक की तर्ज पर मध्य प्रदेश की अदालतों में भी डॉ. अंबेडकर की तस्वीर लगाने की मांग की थी। इस कदम को संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर के प्रति सम्मान और उनके योगदान को याद करने के रूप में देखा जा रहा है। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने इस मांग को लेकर मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और रजिस्ट्रार जनरल को ज्ञापन भेजा था। एसोसिएशन के अध्यक्ष परमानंद साहू और वरिष्ठ अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर ने बताया कि यह मांग समानता के आधार पर की गई थी।

डेंगू और मलेरिया नियंत्रण पर जोर -जनभागीदारी से मिलेगी सफलता

भोपाल। मौसम बदल गया है, रुक - रुक कर बारिश हो रही है, ऐसे में वाहक जनित बीमारियों से बचाव जरूरी है, डेंगू एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए जन समुदाय को आगे आना बहुत जरूरी है, चूंकि यह काम जनभागीदारी से निश्चित रूप से सफल होगा, अभी बार बार मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है, कभी गर्मी तो कभी सर्दी का एहसास है ऐसे में ज्यादा सतर्क रहने की आवश्यकता है क्युकी ऐसे मौसम में लार्वा पनपने की संभावना अधिक होती है, अत: लोगों को मच्छर से बचाव रखने की आवश्यकता है।

पीठासीन अधिकारियों की बैठक कल राजधानी भोपाल में

राज्यविधान मंडलों को सुदृढ़ बनाने तय होगा फॉर्मूला

भोपाल ■ निसं

पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक 14 जुलाई को भोपाल में होगी। विधानसभा में होने वाली इस बैठक में 7 राज्यों के स्पीकर शामिल होंगे। बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्यविधान मंडलों में समिति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना, उनकी कार्यप्रणाली, कार्यकुशलता तथा कार्यनिष्पादन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाना है। यानी बैठक में विधानसभाओं के अध्यक्ष तय करेंगे की विधानसभा कमेटी को कैसे ताकतवर बनाया जाए। गौरतलब है कि सत्र को सुचारू रूप से चलाने और डेकोरम मेंटेन करने को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सात सदस्यों की एक कमेटी का गठन किया है। मप्र विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर इस कमेटी के अध्यक्ष हैं। जानकारी के अनुसार, पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक के जो प्रमुख एजेंडे हैं उनमें समितियों का विस्तार होगा और संख्या बढ़ेगी। सिफारिशों का

क्रियान्वयन ठोस तरीके से होगा। विधानसभा में दिए गए आश्वासनों की पूर्ति का तरीका तय किया जाएगा और शासन में बैठे अधिकारियों की सदन के प्रति जवाबदारी तय की जाएगा। सत्र के दौरान शांति व्यवस्था और सरकार का कामकाज सुचारू रूप से चलता रहे, इसको लेकर इस बैठक में चर्चा की जाएगी।

बैठक के मिनिट्स लोकसभा को सौंपे जाएंगे: मप्र के स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में राजस्थान के स्पीकर वासुदेव देवनानी, उत्तर प्रदेश के सतीश महाना, पश्चिम बंगाल के विमन बैनर्जी, सिक्किम के मिग्मा नोरबू शेरपा, हिमाचल प्रदेश के कुलदीप सिंह पठानिया और ओडिशा की स्पीकर सूरमा पाढ़ी शामिल होंगे। इनके साथ विधानसभाओं के प्रमुख सचिव या सचिव भी आ रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले पीठासीन सम्मेलन में यह कमेटी बनी थी। मप्र को पहली बार इस तरह की कमेटी की अध्यक्षता मिली है। इसकी पहली बैठक 14 जुलाई को भोपाल विधानसभा में सुबह 10:30 बजे से है। इसके बाद कमेटी के लोग उज्जैन जाएंगे। बताया जा रहा है कि कैग की ऑडिट रिपोर्ट और वित्तीय गड़बडियों के साथ फाइनेंशियल मामलों का रिव्यू करने वाली वित्तीय समितियों और तदर्थ समितियों (जैसे प्रश्न संदर्भ, आश्वासन, सदस्य सुविधा) की ताकत बढने वाली है। इसी को आधार बनाकर नई व्यवस्था देशभर के राज्यों में लागू होगी। बैठक के मिनिट्स बाद में लोकसभा को सौंपे जाएंगे।

समितियों को और ताकतवर बनाने की कवायद

आश्वासन समिति और सदन में की गई घोषणाओं के अमल के साथ विशेषाधिकार हनन के मामलों में भी गंभीरता घटती जा रही है। सालों तक आश्वासन पूरे नहीं होते। घोषणाओं पर अफसर ध्यान कम देते हैं। इसीलिए देशभर में राज्यों की विधानसभाओं की समितियों को और तकतवर करने की पहल हुई है। यहां बता दें कि मप्र विधानसभा में इस समय एक दर्जन से अधिक समितियां हैं। इनमें कार्यमंत्रणा, गैरसरकारी सदस्यों के विधेयकों और संकल्पों की समिति, विशेषाधिकार हनन समिति, कृषि विकास समिति, नियम समिति, आचरण व याचिका-अभ्यावेदन, महिला बाल विकास, प्राक्कलन, लोक-लेखा समिति, सरकारी उपक्रम समिति जैसी समितियां शामिल हैं। बताया गया है कि पहली बार विधानसभा की इन समितियों की ताकत बढ़ाई जा रही है, जिससे उनकी प्रासंगिकता शासन और सत्ता के स्तर पर और मजबूत हो।

एम्स भोपाल में नेपाल दूतावास के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

भारत-नेपाल शैक्षणिक सहयोग पर हुई चर्चा

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल में आज नेपाल दूतावास के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल का दौरा संपन्न हुआ। प्रतिनिधिमंडल ने एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह और संस्थान के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से औपचारिक बैठक की। इस बैठक में भारत और नेपाल के बीच द्विपक्षीय शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने, विदेशी छात्रों के कल्याण को बढ़ावा देने एवं दोनों देशों के चिकित्सा संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इस प्रतिनिधिमंडल में श्री अंबिका जोशी, मंत्री परामर्शदाता; रवीन्द्र जंग थापा, परामर्शदाता (आर्थिक) तथा पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के रेजिडेंट मैनेजर अनिरुद्ध दुबे शामिल थे। यह दौरा भारत में अध्ययनरत नेपाली विद्यार्थियों से संवाद और भारत-नेपाल के बीच चिकित्सा शिक्षा में सहयोग की संभावनाओं को बढ़ावा देने हेतु आयोजित किया गया। दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एम्स भोपाल में अध्ययनरत नेपाली एवं अन्य विदेशी छात्रों से मुलाकात की। इस संवाद कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी शैक्षणिक प्रगति, अनुभव और विभिन्न मुद्दों पर विचार साझा किए। यह संवाद छात्रों के लिए एक प्रभावी मंच के रूप में उभरा।

इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, एम्स भोपाल एक समावेशी एवं प्रोत्साहनकारी शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें नेपाल के प्रतिभाशाली छात्रों की मेज़बानी करते हुए गर्व है और हम नेपाल के प्रमुख चिकित्सा संस्थानों के साथ अनुसंधान एवं शैक्षणिक साझेदारी को और भी सशक्त करने हेतु तत्पर हैं।

विकास सतत प्रक्रिया - मंत्री सारंग

मंत्री सारंग ने नरेला विधानसभा में विभिन्न विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन

भोपाल ■ निसं

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि विकास सतत प्रक्रिया है, जो समय और नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप निरंतर चलती रहती है। यही कारण है कि नरेला विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड, कॉलोनी और मोहल्ले में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे यहाँ के नागरिकों को बेहतर जीवन, आधारभूत सुविधाएँ और स्वच्छ पर्यावरण मिल सके।

मंत्री सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत वार्ड-39 के ऐशबाग स्थित हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। मंत्री सारंग ने कहा कि वर्ष 2008 के पहले नरेला विधानसभा में पक्की सड़कों का अभाव था, नालियां नहीं थीं और पीने के पानी के लिए नागरिकों को टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वर्तमान में नरेला क्षेत्र की हर सड़क पक्की हो चुकी है। कॉलोनियों का समुचित ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया गया है और नालों का व्यवस्थित चैनलाइजेशन कर जल-भराव की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया गया है।

मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 'विकास' ही हमारा ध्येय है। चाहे वह सड़क हो, सीवेज हो, जल-प्रबंधन हो या सामुदायिक सुविधाएँ, हर क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, वरिष्ठजन, समाजसेवी एवं पार्षद उपस्थित रहे।

वार्षिकोत्सव का आयोजन बड़े उत्साह व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

आज के विद्यार्थी कल के भारत के निर्माणकर्ता -विधायक सबनानी

भोपाल ■ निसं

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश महामंत्री व दक्षिण-पश्चिम विधायक भगवानदास सबनानी एवं विशिष्ट अतिथि एनसीईआरटी के संयुक्त निदेशक प्रो.पी.सी.अग्रवाल एवं मुख्य वक्ता भारतीय सूचना प्रौद्योगिक संस्थान,भोपाल के निदेशक प्रो.आशुतोष कुमार सिंह थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य प्रो.शिव कुमार गुप्ता एवं पंडित.सुंदरलाल शर्मा व्यावसायिक शिक्षा संस्थान के संयुक्त निदेशक प्रो.दीपक पालीवाल ने उपस्थित गणमान्य अतिथियों के साथ मां शारदे की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन से किया।

प्राचार्य प्रो.गुप्ता व संयुक्त निदेशक प्रो.पालीवाल ने उपस्थित

अतिथियों का स्मृतिचिन्ह,पुष्प पौध व अंगवस्त्रों पहनाकर स्वागत किया।

अपने स्वागत उद्बोधन में प्रो.शिवकुमार गुप्ता ने संस्थान में पधारे अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान के प्रति उनके सतत् सहयोग व मार्गदर्शन का आह्वान किया। कार्यक्रम में संस्थान की सत्र 2023-24 में अकादमिक व विद्यार्थी परिषद् की गतिविधियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्रा सुश्री प्रिया निराला को डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

अतिथियों ने विभिन्न, खेल-कूद,सांस्कृतिक, साहित्यिक, वैज्ञानिक गतिविधियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले हाउसेज को ट्राफी से भी सम्मानित किया।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए श्रम विभाग की पहल

मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला का समापन

भोपाल ■ निसं

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य सरकार ने प्रभावी कदम उठा रही है। इस दिशा में परिवहन वाहनों जैसे बस, ट्रक, टैक्सी आदि का संचालन करने वाले ड्रायवरों तथा अन्य स्टाफ जैसे कंडक्टर और क्लीनर के कार्य के घंटे के संबंध में प्रावधानों को प्रभावी रूप से लागू किए जाने की पहल की जा रही है।इसी सिलसिले में मोटर ट्रांसपोर्ट नियोजकों की कार्यशाला शुक्रवार को श्रमायुक्त कार्यालय, इंदौर में सम्पन्न हुई।

कार्यशाला में श्रमायुक्त श्रीमती रजनी सिंह ने मोटर परिवहन कर्मकार अधिनियम, 1961 के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट कार्यों में संलग्न ड्राइवरों और अन्य स्टाफ के कार्य के घंटों, विश्राम अवधि और अन्य सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अधिनियम के अंतर्गत ट्रांसपोर्ट वर्कर्स के लिए प्रतिदिन 8 घंटे और साप्ताहिक 48 घंटे कार्य की अवधि निर्धारित है। इन प्रावधानों का गंभीरता से पालन किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ड्रायवरों और स्टाफ के लगातार लंबी अवधि तक कार्य करने और विश्राम का समय न मिलने से

थकान और तनाव की स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है। श्रमायुक्त ने वाहनचालकों के समय-समय पर नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषकर नेत्र परीक्षण, सुनिश्चित करने का सुझाव भी दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि विभिन्न तकनीकों और उपकरणों की सहायता से, साथ ही जागरूकता और प्रचार-प्रसार के माध्यम से सड़क दुर्घटनाओं की संभावनाओं को कम किया जा सकता है। इसके लिए ड्रायवरों के कार्य समय और विश्राम अवधि की निगरानी करने तथा अन्य सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने हेतु मोटर वाहनों में सीसीटीवी कैमरे, जीपीएस प्रणाली जैसे तकनीकी उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

कार्यशाला में अटल इंदौर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेस लिमिटेड के अधिकारी अभिनव चौहान ने भी भाग लिया। उन्होंने बताया कि उनके संस्थान में संभावित वाहन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ड्रायवर और पैसेंजर मैनेजमेंट सिस्टम का भविष्य में उपयोग किया जाएगा। इस संबंध में कार्यशाला में एक प्रस्तुति भी दी गई, जिससे सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम में मदद मिलेगी। कार्यशाला में ट्रांसपोर्टर एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अधिनियम के परिपालन के लिए सकारात्मक सुझाव प्रस्तुत किए और मोटर यातायात श्रमिक अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में सहयोग देने का आश्वासन भी दिया।

एक सितंबर से हमीदिया में शुरू होगी नई कैथलैब

अब किडनी पेशेंट बेफिक्र होकर हार्ट की जांच कराएंगे

भोपाल ■ निसं

हमीदिया अस्पताल में नई कैथलैब को शुरू करने की नई डेडलाइन तय कर दी गई है। इसके तहत इस सुविधा का फायदा हृदय रोगियों 1 सितंबर से मिलने लगेगा। यह प्रदेश की सबसे आधुनिक मशीन है, जो 30 जुलाई को भारत आएगी। इस मॉडर्न कैथ लैब में किडनी पेशेंट भी बेफिक्र हो कर हार्ट की जांच करा सकेंगे। हमीदिया अस्पताल में जापान से लाए जा रहे प्रदेश के पहले हाईटेक बाइ प्लेन कैथ लैब सिस्टम की कीमत 7.7 करोड़ रुपए है। इस मशीन की खासियत यह है कि, इससे जांच करने के दौरान बेहद कम डाई की जरूरत पड़ती है। वहीं, मरीज की स्कैनिंग रिपोर्ट 3डी इमेज फॉर्म में आती है। जिससे हृदय व खून की नसों का बेहतर इमेज नजर आती है। यह हार्ट में ब्लॉकेज से लेकर अन्य समस्या की सटीक जानकारी देती है। जिससे डॉक्टर का काम आसान बन जाता है। जटिल सर्जरियां में भी मरीज में बेहतर रिजल्ट सामने आता है। हमीदिया अस्पताल में यह आधुनिक कैथ लैब मशीन के लिए नए भवन ब्लॉक वन की तीसरी मंजिल में नई लैब तैयार की गई है।

माता महाकाली मठ मंदिर के पुजारियों का किया गुरू पूर्णिमा पर सम्मान

माखननगर। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर आरी मंडल के शुक्करबाड़ा फार्म स्थित माता महाकाली मठ मंदिर मैं वहां के पुजारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती सावित्री परनामे भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष फूलचंद यादव ,जनपद उपाध्यक्ष लालचंद यादव ,मंडल अध्यक्ष विपिन यादव, मंडल उपाध्यक्ष विनय यादव , मंत्री मदन शर्मा , ओमप्रकाश यादव, बूथ अध्यक्ष दिलीप परते, अनिल कहार, गेंदालाल तोमर, अनिल साहू आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पेट्रोल पंप पर खड़े ट्रक को चोरी कर जंगल में छिपाया, पुलिस ने किया बरामद

शहडोल। शहडोल जिले के बुढार थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां बीती रात एक चोर ने पेट्रोल पंप में खड़े ट्रक को चुरा लिया। हालांकि, पुलिस ने कुछ ही घंटों में चोरी हुआ ट्रक बरामद कर लिया और आरोपी को भी हिरासत में ले लिया। कॉलेज कॉलोनी में रहने वाले बिजेंद्र सिंह ने बुढार थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसमें उन्होंने बताया कि उनका ट्रक MP 18 AH 5009 बुढार के बघेल पेट्रोल पंप पर खड़ा था, जिसे किसी अज्ञात चोर ने चुरा लिया। चालक ने रात को ट्रक पार्क किया था, लेकिन सुबह वह नहीं मिला। शिकायत पर बुढार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने पुलिस टीम को मौके पर भेजा। टीम ने पेट्रोल पंप में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांची, जिसमें चोर ट्रक को संजय नगर की ओर ले जाते हुए दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर कार्रवाई की गई और ट्रक को संजय नगर के जंगल से बरामद किया गया।

13 चोरियां करने वाले गिरोह का खुलासा आठ आरोपी गिरफ्तार

दमोह। दमोह जिले सहित बुंदेलखंड के अन्य जिलों में एक दर्जन से अधिक चोरियों को अंजाम देने वाले गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इनके पास से चोरी की बाइकें और अन्य सामग्री भी बरामद की गई हैं। यह गिरोह एक जिले में चोरी करने के बाद दूसरे जिले में सक्रिय हो जाता था और तब तक पहले जिले की घटना शांत हो जाती थी। लेकिन पुलिस ने ह्यह्यआसपास की सभी चोरी की घटनाओं की कड़ियां जोड़ीं, जिसके बाद यह गिरोह पकड़ा गया। कंट्रोल रूम में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने चोरी और नकबजनी की 13 वारदात का खुलासा किया। ये घटनाएं दमोह देहात थाना क्षेत्र, कोतवाली, पथरिया, चौकी बांदकपुर, सागर और टीकमगढ़ जिलों में हुई थीं। गिरफ्तार आरोपियों से पुलिस ने चोरी की 8 बाइकें, सोने-चांदी के जेवर और एक एलईडी सहित करीब साढ़े आठ लाख रुपये का सामान जब्त किया है। एसपी सोमवंशी ने बताया कि चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए एक विशेष टीम बनाई गई थी। मुखबिरों की सूचना, साइबर सेल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस आरोपियों तक पहुंचने में सफल रही। जांच में सामने आया कि एक संगठित गिरोह इन वारदातों को अंजाम दे रहा था, जिसे साइबर सेल ने भी ट्रेस किया।

पीताम्बरा मंदिर के आसपास से हटाया गया अतिक्रमण

दतिया। दतिया कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े के निर्देश पर प्रशासन की टीम ने पीताम्बरा मंदिर क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। एसडीएम संतोष तिवारी के नेतृत्व में नगर पालिका की टीम और पुलिस ने करीब 100 से अधिक दुकानों का अस्थायी अतिक्रमण हटाया गया। प्रशासन ने मिठाई विक्रेताओं, फूल-माला विक्रेताओं समेत अन्य दुकानों पर बुलडोजर चलाया और स्थायी दुकानों पर बारिश से बचाव के लिए लगाए गए टीन शेड भी तोड़ दिए। इससे कई दुकानदारों की दुकानें भी क्षतिग्रस्त हो गईं।

देवरी के 10 और लहचूरा बांध के नौ गेट खोले

धसान नदी में छोड़ा 2 लाख 88 हजार क्यूसेक पानी

छतरपुर ■ निसं

छतरपुर जिले में भारी बारिश से देवरी और लहचूरा बांध के फाटक खोलकर धसान नदी में 2.88 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। नदी किनारे गांवों में अलर्ट जारी है। प्रशासन निगरानी में जुटा है, महोबा और छतरपुर अधिकारी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

छतरपुर जिले के बीते 24 घंटे से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बनने लगे हैं। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है और स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। लगातार बारिश के चलते धसान नदी उफान पर है। एमपी-यूपी सीमा पर स्थित देवरी एवं लहचूरा बांध लबालब भर गए हैं। इस कारण दोनों बांधों से कुल 2 लाख 88 हजार 400 क्यूसेक पानी धसान नदी में छोड़ा जा रहा है। नदी के आसपास स्थित गांवों को अलर्ट कर दिया गया है। हालात को देखते हुए कलेक्टर पार्थ जसवाल के निर्देश पर नौगांव एसडीएम जीएस पटेल, तहसीलदार पीयूष दीक्षित, पटवारी आशीष पांडेय और मनीष प्रताप सिंह ने धसान नदी के किनारे बसे चपरन, लहदरा, मडोरी आदि गांवों का निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार, लगातार बारिश से सुजारा बांध और अन्य डैम भी पूरी तरह भर गए हैं। देवरी बांध के 10 फाटक 2 मीटर और लहचूरा बांध के 9 फाटक 3 मीटर की ऊंचाई तक खोल दिए गए हैं। दोनों बांधों से धसान नदी में लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। महोबा जिला प्रशासन द्वारा नदी किनारे स्थित टपरन, लिलवा, काशीपुरा समेत अन्य गांवों में भी अलर्ट जारी कर निगरानी की जा रही है। महोबा सिंचाई विभाग के जेई रामआसरे यादव ने बताया कि 1 जुलाई को दोपहर 2:20 बजे लहचूरा बांध में सुखनई नदी और अन्य पहाड़ी जलस्रोतों से पानी की भारी आवक शुरू हुई। बांध की सुरक्षा के लिए 9 गेट 9 मीटर की ऊंचाई तक खोलकर 1,28,200 क्यूसेक पानी सुरक्षित रूप से धसान नदी में छोड़ा गया। धसान नदी के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी को देखते हुए प्रशासन ने गांववासियों, चरवाहों और मछुआरों से अपील की है कि वे नदी के किनारे न जाएं।

श्रावण मास में उमड़ा शिवभक्ति का सैलाब

ओंकारेश्वर से 230 कांवड़िए रवाना, महाकाल पर चढ़ाएंगे जल

खंडवा ■ निसं

श्रावण के प्रथम दिन से ही इंदौर-इच्छापुर हाईवे शिवमय हो गया है। जगह-जगह श्रद्धालु बोल बम, हर हर महादेव के जयकारों के साथ चलते दिखाई देते हैं। पूरे मार्ग पर भक्तों के लिए भंडारे, सेवा शिविर और विश्राम स्थल भी बनाए गए हैं।

श्रावण मास प्रारंभ होते ही ओंकारेश्वर क्षेत्र के नर्मदा घाटों पर शिवभक्ति का उल्लास और श्रद्धा का महासागर लहराने लगा है। शुक्रवार, 11 जुलाई को जैसे ही श्रावण मास की पहली सुबह हुई, वैसे ही सैकड़ों कांवड़ियों ने %हर-हर महादेव% के उद्घोष के साथ मां नर्मदा के पवित्र तट से जल भरकर महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग उज्जैन की ओर कांवड़ यात्रा शुरू कर दी।

उत्तर प्रदेश के बरेली से आए जय श्री महाकाल बेड़ा संघ के नेतृत्व में इस वर्ष भी यह यात्रा भव्य रूप में निकली। संघ के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहले मां नर्मदा का विधिवत पूजन और आरती की, फिर कंधे पर कांवड़ रखकर जल लेकर इंदौर-खंडवा-इच्छापुर मार्ग होते हुए उज्जैन की ओर रवाना हो गए। बरेली महाकाल बेड़ा संघ के प्रमुख प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि यह यात्रा स्वर्गीय महेंद्र सिंह सत्यप्रकाश अग्रवाल की प्रेरणा से प्रारंभ हुई थी। अब यह परंपरा अपने 19वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। उन्होंने बताया कि इस बार 230 श्रद्धालु ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट-बड़वाह से कांवड़ यात्रा पर निकले हैं और वे बुधवार को उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल को जल अर्पित करेंगे।

145 किलोमीटर की पदयात्रा: यह कांवड़ यात्रा मात्र एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि भक्ति, तपस्या और शिवप्रेम की अद्भुत मिसाल बन चुकी है। श्रद्धालु लगभग 145 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा करते हुए अपने कंधों पर मां नर्मदा का जल लेकर महाकाल के दरबार तक पहुंचते हैं। यह यात्रा उनकी मनोकामना पूर्ति, आत्मिक शांति और भगवान शिव की आराधना के लिए होती है।

रास्ता शिवमय, वातावरण भक्तिमय: श्रावण के प्रथम दिन से ही इंदौर-इच्छापुर हाईवे शिवमय हो गया है। जगह-जगह श्रद्धालु बोल बम - हर हर महादेव के जयकारों के साथ चलते दिखाई देते हैं। सड़कें नारंगी वस्त्रधारी शिवभक्तों से पटी नजर आईं। पूरे मार्ग पर भक्तों के लिए भंडारे, सेवा शिविर और विश्राम स्थल भी बनाए गए हैं।

मंत्री डॉ. शाह ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

सर्पदंश से मृत युवक के परिवार को 4 लाख की सहायता दिलाने के दिए निर्देश

खंडवा ■ निसं

मध्यप्रदेश के जनजातीय कार्य विभाग के मंत्री कुंवर डॉ. विजय शाह ने शनिवार को खालवा विकासखंड के आदिवासी बहुल ग्राम सुंदरदेव और सुहागी का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएं सुनी और उनके निराकरण के लिए उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंत्री डॉ. शाह ने ग्राम सुंदरदेव में शंकर कोरकू के घर जाकर शोक संवेदना प्रकट की। उल्लेखनीय है कि शंकर कोरकू के पुत्र नरेश की मृत्यु गत दिनों सर्पदंश से हो गई थी। उन्होंने उपस्थित तहसीलदार व एसडीएम को निर्देश दिए कि राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत मृतक के परिजनों को 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर तत्काल सहायता दिलाई जाए। इस अवसर पर उन्होंने मृतक के परिजन को 15 हजार रुपए की तात्कालिक आर्थिक सहायता तथा 5000 रुपए की अंत्येष्टि सहायता के चेक भी प्रदान किये। उन्होंने सुंदरदेव में दिव्यांग युवक को छड़ी प्रदान की।

मंत्री डॉ. शाह ने ग्राम सुहागी में नवनिर्मित सीसी रोड का निरीक्षण किया और स्थानीय ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। इस दौरान छात्रा पूजा मार्को ने उन्हें बताया कि वह पिछले वर्ष 11वीं कक्षा में फेल हो गई थी, इसलिए छात्रावास में उसे प्रवेश नहीं मिला, और गरीबी के कारण पढ़ाई छूट गई। जिस पर मंत्री डॉ. शाह ने आदिवासी छात्रा पूजा का छात्रावास में प्रवेश दिलाने के लिए जनजाति कार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए।

सरपंचों को पंचायत में दुर्घटना या अन्य वित्तीय सहायता देने की का अधिकार देने की मांग की

सरपंच संघ की बैठक संपन्न रोजगार सहायकों के स्थानांतरण सहित अनेक मुद्दों पर हुई चर्चा

सिवनी मालवा ■ निसं

सिवनी मालवा जनपद पंचायत सिवनी मालवा के अंतर्गत आने वाली पंचायतों के सरपंच संघ की बैठक सीताराम जानकी मंदिर बस स्टैंड के पास संपन्न हुई। बैठक में सरपंचों के द्वारा रोजगार सहायकों का स्थानांतरण खेत सड़क नल जल योजना को लेकर विस्तृत रूप में चर्चा की गई सभी सरपंचों ने पंचायत में किए जाने वाले कार्यों में होने वाली दिक्कतों को लेकर प्रदेश सरकार को अवगत कराने की चर्चा की गई जिसमें ग्राम पंचायत के विकास कार्य में आ रही परेशानी और शासन की योजनाओं को ग्राम पंचायत के निवासियों तक पहुंचने के लिए निर्णय लिया गया जिससे कि पंचायत में अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ पत्र और गरीब लोगों को मिल सके इस अवसर पर सरपंच संघ अध्यक्ष उमेश अंकिले ने कहा कि हम सभी सरपंचों को एक मत होकर कार्य करना होगा ग्राम पंचायत को दी जाने वाली राशि का सदुपयोग ग्राम विकास के लिए किया जा सके इसको सुनिश्चित करने के लिए योजनाओं की समुचित जानकारी लेकर कार्य करें और यदि कोई परेशानी या दिक्कत आती है तो संघ के माध्यम से सभी परेशानियों को दूर किया जा सकता है हम प्रदेश से मांग करते हैं कि पंचायत में होने वाली दुर्घटनाए आगजनी अतिवृष्टि आदि में होने वाले व्यक्तिगत नुकसान के लिए सरपंचों को ग्रामीण जनों को तुरंत सहायता हेतु सरपंचों को वित्तीय अधिकार दिया जाना चाहिए जिससे पंचायत में होने वाली दुर्घटना के समय पीड़ित लोगों को सहायता की से जा सके पीड़ित लोगों को सहायता के लिए हमें जनपद पंचायत की रास्ता देखना पड़ता है जिससे दुर्घटनाओं से पीड़ित व्यक्ति को तुरंत सहायता नहीं मिल रही है ग्राम पंचायत में अस्थाई रूप से रखे गए रोजगार सहायकों का भी स्थानांतरण किया जाना चाहिए जिससे कि पंचायत में बिना भेदभाव किया पंचायत के निवासियों को शासन की योजना का लाभ दिलाया जा सके। कार्यक्रम का संचालन प्रेम किशोर बनेटीया ने किया जिसमें राकेश जी रघुवंशी सरपंच गोकुल प्रसाद सरपंच गोविंद बछानिया कमल कासदे सरपंच मोहन परते दिनेश करधोने शंकर लाल उईके सरपंच सत्येंद्र इब्ने सरपंच धन सिंह सुरमा सरपंच सुनीता मेहंदिया सरपंच मोहित तंवर सरपंच सरोज भाई महेश प्रसाद कल में सरपंच घनश्याम राजपूत सरपंच बबीता रामबली उईके, सरपंच प्रेम नारायण रघुवंशी सरपंच कैलाश लोवंशी एवं सभी सरपंच उपस्थित थे कार्यक्रम में सभी का आभार व्यक्त श्री गोविंद बछानिया ने किया।

इंदौर में मेडिकल चेकअप कराने पहुंचा आसाराम

डॉक्टरों ने ईको और हार्ट की जांच की, अनुयायी भी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल पहुंचे

इंदौर ■ निसं

नाबालिग और महिला से रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम शनिवार को इंदौर में दिखाई दिया। वह रेगुलर चेकअप के लिए सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचा। यहां आधे घंटे रहा। इस दौरान उसकी ईको और हार्ट से संबंधित अन्य जांचें हुईं।

आसाराम के अस्पताल पहुंचने की जानकारी लगते ही बड़ी संख्या में उसके अनुयायी अस्पताल पहुंच गए। वह इससे पहले 19 फरवरी को नियमित जांच कराने अस्पताल पहुंचा था।

आसाराम के आश्रम के वॉलंटियर्स ने संभाली व्यवस्था: आसाराम करीब आधा घंटा अस्पताल में रहा। सफेद कुर्ते और केसरिया साफा में आसाराम कार से उतरने के बाद पूरे समय व्हील चेयर पर ही रहा। इस दौरान किसी से ज्यादा बातचीत नहीं की। जांच के दौरान फ्लोर पर बाहरी लोगों की आवाजाही पूरी तरह रोक दी गई। सुरक्षा और अन्य व्यवस्था का जिम्मा आसाराम के आश्रम के वॉलंटियर्स ने संभाला। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक डॉक्टरों ने प्रारंभिक परीक्षण के बाद कुछ जांचें लिखी हैं। रिपोर्ट आने के बाद इलाज शुरू होगा।

आसाराम की जमानत अवधि 12 अगस्त तक बढ़ी: राजस्थान हाईकोर्ट ने एक बार फिर आसाराम को राहत दी है। कोर्ट की डबल बेंच ने उसकी जमानत अवधि 12 अगस्त तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने यह निर्णय आसाराम की खराब सेहत और इलाज की जरूरत को ध्यान में रखकर लिया है। इसके बाद वह पहली बार गुरु पूर्णिमा पर जेल से बाहर रह पाया है। सूत्र बताते हैं कि अस्पताल पहुंचे आसाराम की पैथोलॉजिकल और क्लिनिकल जांचें की गई हैं।

एसडीएम ने नर्सरी, केवलाझिर, पीपलगोटा, भावंदा, बारासेल के शासकीय विद्यालयों का किया निरीक्षण, अधिकतर शिक्षक अनुपस्थित मिले

सरकार से लेते हैं मोटी पगार पर स्कूल नहीं जाते पढ़ाने

सिवनी मालवा ■ निसं

हाल ही में पूरे देश में गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया गया। गुरुजी को सम्मान दिया गया, उनकी वंदना की गई। उनके सम्मान में कहा गया कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाव, बलिहारी गुरु आपकी गोविंद दियो बताएं लेकिन अब लोगों का कहना हैं कि विडंबना ये हो गई हैं कि अधिकांश शासकीय स्कूलों में गुरु पाव लागने के लिए उपस्थित ही नहीं रहते हैं। सिर्फ लेते हैं तो मोटी तनख्वाह।

सरकार भी हर संभव कोशिश कर रहीं हैं कि शासकीय विद्यालयों में पढ़ाई का स्तर सुधरे। जिसके चलते नित नए विद्यालय खोले जा रहें हैं। शासकीय शिक्षकों को मोटी पगार भी दी जा रहीं हैं। उनकी उपस्थिति के लिए मोबाईल एप तक बना दिए हैं लेकिन फिर भी कुछ शासकीय शिक्षक स्कूलों में पढ़ाने ही नहीं जाते हैं। इसी के चलते स्कूलों के परीक्षा परिणाम में सुधार नहीं हो पा रहा हैं। विगत दिनों आयुक्त नर्मदापुरम ने एसडीएम को अपने अपने अनुविभाग में शासकीय विद्यालयों के निरीक्षण के निर्देश दिए थे। जिसके परिपालन में शनिवार को सिवनी मालवा एसडीएम सरोज सिंह परिहार ने सिवनी मालवा विकासखंड के आदिवासी अंचलों के विद्यालयों का निरीक्षण किया। जिसमें अधिकांश विद्यालयों में शासकीय शिक्षक नदारत मिले। कुछ विद्यालय में जरूर अतिथि शिक्षक पढ़ाते मिले।

एसडीएम सरोज सिंह परिहार ने बताया कि प्रात: 10.47 बजे पर %प्राथमिक शाला नर्री का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्कूल खुला पाया गया किन्तु शाला में पदस्थ एक भी शिक्षक निरीक्षण के दौरान उपस्थित नहीं पाए गए। उपस्थित छात्रों ने बताया कि स्कूल हमारे द्वारा ही खोला जाता हैं। छात्रों ने बताया गया कि हमारे विद्यालय में 03 शिक्षक हैं परन्तु वह अभी स्कूल नहीं आए हैं। जिसके बाद प्रात: 11.00 बजे प्राथमिक शाला केवलाझीर का निरीक्षण किया। यहा भी छात्रों ने स्कूल खोला, शिक्षक अनुपस्थित मिले। जिसके बाद प्रात: 11.20 बजे माध्यमिक शाला पीपलगोटा का निरीक्षण किया। जहा 02 अतिथि शिक्षक उपस्थित मिले। प्रधान पाठक अजय उईके अनुपस्थित मिले।

प्रात: 11.31 बजे एकीकृत प्राथमिक शाला भावंदा पहुचने पर शाला में पदस्थ हीरालाल उईके प्राथमिक शिक्षक, घुडनसिंह भुसारे प्राथमिक शिक्षक, बंसत अखण्डे, प्रियंका उईके, आशाराम मवासे अतिथि शिक्षक अनुपस्थित मिले। केवल 01 शिक्षक प्रकाश भुसारे उपस्थित मिले।इस दौरान एसडीएम को छात्रों ने बताया कि शिक्षक शाला में आने के बाद मोबाइल चलाते हैं। हमें मध्यान्ह भोजन भी दोपहर 2.00 बजे तक मिलता है।

इसी क्रम में जब एसडीएम प्रात: 11.59 एकीकृत माध्यमिक शाला बारासेल पहुची तो वहां भी लखनलाल यादव प्राथमिक शिक्षक अनुपस्थित मिले। 02 अतिथि शिक्षक उपस्थित मिले। इस दौरान एसडीएम ने स्कूली बच्चों को पढ़ाया और सामान्य ज्ञान की जानकारी ली।

कार्यवाही हेतु प्रतिवेदन कलेक्टर को भेजा: एसडीएम परिहार ने बताया कि स्कूलों के निरीक्षण और अनुपस्थित शिक्षको का प्रतिवेदन कलेक्टर नर्मदापुरम और विकासखंड स्त्रोत समन्वयक अधिकारी सिवनी मालवा को कार्यवाही के लिए भेज दिया हैं।

लव जिहाद फंडिंग, पार्षद कादरी की तलाश में दिल्ली से कश्मीर पहुंची पुलिस

इंदौर ■ निसं

लव जिहाद फंडिंग मामले में कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी की गिरफ्तारी के लिए इंदौर पुलिस ने तीन विशेष टीमें गठित की हैं। इनामी राशि बढ़ाने का प्रस्ताव भी पुलिस लाई है। संपत्ति कुर्क करने की भी तैयारी है।

इंदौर के वार्ड क्रमांक 58 से कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। उन पर लव जिहाद के लिए फंडिंग का गंभीर आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उनकी गिरफ्तारी के लिए तीन टीमें गठित की हैं। कादरी की तलाश में पुलिस दिल्ली, कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट तक सर्च अभियान चला रही है।

तीन टीमें सक्रिय, सभी दिशाओं में तलाश जारी: एडिशनल डीसीपी राम स्नेही मिश्रा ने जानकारी दी कि कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी फरार घोषित किए जा चुके हैं। उनकी गिरफ्तारी को लेकर तीन विशेष पुलिस टीमें बनाई गई हैं। इनमें से एक टीम दक्षिण भारत में सक्रिय है, जबकि शेष दो टीमें उत्तर और उत्तर-पूर्वी भारत में काम कर रही हैं। कादरी को लेकर जहां-जहां से इनपुट मिल रहे हैं, वहां तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

अनमोल वचन

ईश्वर से की गई प्रार्थना इन शक्तियों को विकसित करने में मदद करती है।
अब्दुल कलाम

लोगों के लिए उदाहरण स्थापित करना दूसरों को प्रभावित करने का एक मात्र साधन है।
अल्बर्ट आइंस्टीन

सम्पादकीय

धोखाधड़ी और घोटाले बने भारत की पहचान?

2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। तब उनकी छवि एक ऐसे सशक्त नेता के रूप में थी। जिसमें भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं था। सरकारी घोटाले और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए, उन्होंने जो वायदे किए थे। उसके बाद यह माना गया था, उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत में भ्रष्टाचार घोटाला और अपराधों में भारी कमी आएगी। 11 वर्षों से नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के पद पर हैं। इसके बाद भी घोटाले, भ्रष्टाचार और अपराधिक घटनाओं में कमी होने के स्थान पर लगातार वृद्धि हो रही है। दुनिया के देशों में भारत की एक नई छवि विकसित हो रही है। भारत को भ्रष्टाचार,घोटाले और धोखाधड़ी के सरताज के रूप में देखा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के आर्थिक अपराध अनुसंधान के अधिकारियों ने 49000 करोड रुपए की ठगी का पर्दाफाश किया है। निवेशकों को लुभावूनी योजनाओं का झांसा देकर 49000 करोड रुपए की लूट की गई है। अपराध शाखा ने पर्ल्स एग्रोटेक कॉरपोरेशन लिमिटेड के मलिक गुरनाम सिंह को पंजाब के रोपड़ से गिरफ्तार किया है। यह भारत का सबसे बड़ा ठगी का घोटाला है। इसके पहले सीबीआई ने पोंजी स्कीम मामले में इसे गिरफ्तार किया था। यह जमानत पर चल रहा है। इसके बाद भी इसका ठगी और घोटाले का कारोबार चलता चला आ रहा है। इसी तरह का एक मामला मध्य प्रदेश के इंदौर में उजागर हुआ है। ट्रेडिंग के नाम पर निवेश की गई राशि को डबल करने के नाम पर पांच राज्यों के निवेशकों से ठगी की गई। 2400 करोड़ की ठगी का यह मामला इंदौर में सामने सामने आया है। यह ठगी एफएक्स और यार्कर कैपिटल फर्म के जरिए देश के पांच राज्यों में की गई है। इंदौर एसटीएफ को जांच के दौरान हरियाणा के एक कमरे से कंपनी चला रहे, मालिकों के पास से 300 करोड़ से ज्यादा के संदिग्ध लेनदेन के सबूत प्राप्त हुए हैं। इंदौर एसटीएफ ने 150 करोड रुपए की राशि को फ्रीज किया है। इन कंपनियों के बारे में सूचना केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय ईडी को दी गई है। उत्तर प्रदेश पुलिस ने झांगूर बाबा को धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार किया है। उत्तर प्रदेश की पुलिस को 500 करोड़ रुपए से ज्यादा का विदेशी लेनदेन के सबूत मिले है। इस बाबा ने विदेशी धन का उपयोग धर्मांतरण के लिए किया है। इस तरह के अपराधों को रोकने के लिए ही केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय को असीमित अधिकार दिए गए थे। विदेश से जो धन आ रहा था, उसको पकड़ पाने में ईडी असफल साबित हुई। 2015 से 2025 के बीच में सैकड़ों घोटाले सामने आए है। उनके कोई सबूत नहीं थे, सरकारों ने राजनैतिक आरोप मानकर उनकी जांच भी नहीं कराई। जिसके कारण अधिकृत आंकड़े कभी सामने नहीं आए। जिन मामलों में जानकारी निकाल कर सामने आई है। इसमें एबीजी शिपयार्ड घोटाला लगभग 22800 करोड़ का है। 28 बैंकों के साथ धोखाधड़ी की गई है। नीरव मोदी का पंजाब नेशनल बैंक घोटाला लगभग 14000 करोड रुपए का है। इसने फर्जी दस्तावेजों के जरिए बैंकों को चूना लगाया और विदेश भाग गया। नीरव मोदी और मेहुल चौकसी आज भी भगडों की सूची में शामिल है। विजय माल्या की किंगफिशर एयरलाइंस घोटाला 9000 करोड रुपए का है। वह भी भारत छोड़कर विदेश में रह रहे हैं। पिछले 6 साल से उसे भारत लाने की कोशिश भारत सरकार कर रही है। अभी तक उन्हें भारत नहीं लाया जा सका है। 2018 से 2023 के बीच में अल्पसंख्यक पेंशन में 14483 करोड रुपए का घोटाला सामने आया। यह घोटाला 34 राज्यों में 1572 संस्थाओं के माध्यम से किया गया। अभी इसकी सीबीआई जांच ही चल रही है। कुछ खातों को फ्रीज कर दिया गया है, लेकिन मामला अभी भी ढाक के पात है। 2025 में उत्तर प्रदेश का बीमा घोटाला सामने आया है। इसमें बीमार लोगों को निशाना बनाकर बीमा पॉलिसी के जरिए करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की गई है। अरुणाचल में सरकारी धन के गबन का मामला सामने आया है, इसकी जांच चल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह घोटाला किया गया है। यह भी करोड़ों रुपए का घोटाला है। बैंकिंग घोटाले और धोखाधड़ी की बात करना ही अब व्यर्थ हो गई है। 2015 से लेकर 2021 तक देश में ढाई लाख करोड रुपए की बैंकिंग धोखाधड़ी हुई है। महाराष्ट्र दिल्ली तेलंगाना गुजरात तमिलनाडु राज्यों में 83 फ़ीसदी घोटाले हुए हैं। बैंकों में साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ते चले जा रहे हैं। 2015-16 में 67760 करोड रुपए की, 2020-21 में 10699.9 करोड रुपए की धोखाधड़ी दर्ज की गई थी। जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। भारत में इलेक्ट्रोल फंड, पीएम केयर फंड, एवं कई दर्जन ऐसे घोटालों के आरोप लगे हैं। जिनकी जांच नहीं हुई है, इन्हें राजनीतिक घोटाले के आरोप मानते हुए उनकी जांच ही नहीं कराई गई है। इसी तरह शेयर बाजार और सेबी के घोटाले समय-समय पर सामने आए हैं। इसकी जांच की जिम्मेदारी सेवी को दी गई थी। अभी तक कहीं से भी स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। केंद्र सरकार की योजनाओं और राज्य सरकार की योजनाओं को लेकर रोजाना सैकड़ो करोड रुपए के घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आते हैं। उनकी जांच नहीं होने के कारण, यह सारे घोटाले, आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित रह जाते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में भारत में हो रहे घोटाले, भ्रष्टाचार एवं धोखाधड़ी के मामले दुनिया में पहुंच रहे हैं। जिसके कारण भारत की एक नई छवि वैश्विक स्तर पर बन रही है। भारत को भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी और ठगी के रूप में पहचाना जा रहा है।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अत: हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमस: परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अत: मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अत: इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

बिहार तक गूंजेगी मध्यप्रदेश के निषादराज सम्मेलन की गूँज

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य मछुआ समुदाय को सशक्त बनाना, उनकी परंपराओं का सम्मान करना और सामाजिक सदभाव को बढ़ावा देना है। निषादराज सम्मेलन रामायण के पात्र निषादराज गुह से प्रेरित रहा जिन्हें प्रभु श्री राम के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण के लिए जाना जाता है निषादराज ने प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और सीता माता को गंगा पार करने में सहायता प्रदान की थी जिसे सामाजिक समरसता का बड़ा प्रतीक माना जाता है।

हर्षवर्धन पान्डे

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में 12 जुलाई को आयोजित हुआ निषादराज सम्मेलन न केवल सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि इसके गहरे सियासी मायने भी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य मछुआ समुदाय को सशक्त बनाना, उनकी परंपराओं का सम्मान करना और सामाजिक सदभाव को बढ़ावा देना है। निषादराज सम्मेलन रामायण के पात्र निषादराज गुह से प्रेरित रहा जिन्हें प्रभु श्री राम के प्रति उनकी भक्ति और समर्पण के लिए जाना जाता है।निषादराज ने प्रभु श्री राम, लक्ष्मण और सीता माता को गंगा पार करने में सहायता प्रदान की थी जिसे सामाजिक समरसता का बड़ा प्रतीक माना जाता है। इस तरह के बड़े सम्मेलन का आयोजन देश के हृदयप्रदेश मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक नगरी उज्जैन में करके मोहन सरकार ने निषाद समुदाय को यह संदेश दे रही है कि वह विरासत से विकास के अपने विजन पर मजबूती के साथ काम कर रही है। यह कदम सामाजिक एकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ इस समुदाय के बीच अपनी पैठ को मजबूत करने की रणनीति का एक हिस्सा भी है। मध्यप्रदेश में मछुआ समुदाय की आबादी विशेष रूप से उज्जैन, नरसिंहपुर और होशंगाबाद में उल्लेखनीय है। यह समुदाय परंपरागत रूप से मत्स्य पालन और नदी-आधारित आजीविका पर निर्भर है। हालांकि यह समुदाय ओबीसी समुदायों जितना प्रभावशाली नहीं है फिर भी यह कई विधानसभा क्षेत्रों में जातिगत समीकरणों को प्रभावित करता दिखाई देता है। निषादराज सम्मेलन के आसरे भाजपा इस समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनकी आर्थिक-सामाजिक स्थिति को बेहतर करने की दिशा में अपने कदम मजबूती एक साथ प्रदेश की सियासत में बढ़ा रही है। मध्यप्रदेश आज मत्स्य उत्पादन और मछुआ समाज के सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना और मुख्यमंत्री मछुआ कल्याण योजना जैसे नवाचारों ने हजारों मछुआरों के जीवन में नई आशा की किरण जगाई है। ड्रोन और जीपीएस प्रणाली जैसे नवाचार और योजनाएँ मध्यप्रदेश को मत्स्य पालन के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सधे हुए कदम हैं। इससे ग्रामीण समुदायों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने में भी मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने 22 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से 453 स्मार्ट फिश पार्लर का भूमि-पूजन और इंदिरा सागर बांध में लगभग 92 करोड़ लागत से 3360 केज परियोजना का वर्चुअल भूमि-पूजन किया और कहा कि अब मछली पालन सिर्फ पारम्परिक कार्य नहीं, एक आधुनिक उद्योग है। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा और सरकार मस्त्य पालन के लिए मछुआरों को अनुदान देगी। इसमें निवेश बढ़ेगा, उत्पादन बढ़ेगा और युवाओं को रोजगार मिलेगा। सरकार के प्रयासों से भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक एक्का पार्क का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदिरा सागर सहित अन्य जलाशयों में 3 लाख से अधिक केज स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भोपाल में 40 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक मछलीघर का निर्माण किया जा रहा है। आज प्रदेश में वर्तमान में 4.4 लाख हेक्टेयर में मछली पालन कार्य हो रहा है।वर्ष 2024-25 में प्रदेश का मछली उत्पादन 3.81 लाख मैट्रिक टन रहा। प्रदेश में लगभग 2 लाख से अधिक मत्स्य पालक पंजीकृत हैं। राज्य सरकार ने प्रदेश में सिंचाई का रकबा बढ़ाया है, जिसका लाभ मछुआरों को भी मिल रहा है।

मध्यप्रदेश की सियासत में जातिगत समीकरण हमेशा से महत्वपूर्ण रहे हैं। 2018 के विधानसभा चुनावों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वोटरों ने भाजपा को बड़ा नुकसान पहुंचाया था जिसके चलते कांग्रेस सत्ता में आई। हालांकि 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के नेतृत्व में हुए दलबदल के बाद भाजपा ने फिर से सत्ता हासिल की। वहीँ 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत के बाद पार्टी 2028 के विधानसभा चुनावों और लोकसभा चुनावों के लिए अपनी स्थिति को और मजबूत करना चाहती है। डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में निषाद समुदाय को साधने का प्रयास इसी रणनीति का हिस्सा है। यह समुदाय एक दौर में परंपरागत रूप से कांग्रेस या अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ जुड़ा रहा है अब बिहार ,बंगाल, यूपी जैसे राज्यों के चुनावों में भाजपा के लिए संजीवनी बन सकता है।

डॉ. मोहन यादव ने निषादराज के आयोजन से एक तीर से दो निशाने खेलने की कोशिश की है। पहला सम्मेलन केवल निषाद समुदाय तक सीमित नहीं है। इसका सन्देश अन्य समुदायों में भी जाएगा जिनकी संख्या प्रदेश में कम है। दूसरा यह सम्मेलन मोदी सरकार की सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक नई लकीर खींचेगा जिसकी गूंज आने वाले बिहार चुनावों में सुनाई देगी जिसको कैश कराने की भाजपा पूरी कोशिश करेगी। बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से लगभग 45 सीटों पर निषाद और मांझी जातियों का प्रभाव माना जाता है जो राज्य में किंगमेकर मानी जाती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई बार अपने भाषणों में दलित, पिछड़ा और आदिवासी समुदायों को मुख्यधारा में लाने की बात कही है। यह सम्मेलन उसी दिशा में एक कदम है जो सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के साथ-साथ सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास की छवि को मजबूत करता है। इसके अलावा बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में इस तरह के बड़े आयोजन का होना विरासत से विकास के पीएम मोदी के विजन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। मध्यप्रदेश की सियासत में निषादराज सम्मेलन का आयोजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का एक बड़ा मास्टर स्ट्रोक है जो निषाद समुदाय के सशक्तिकरण के साथ-साथ बिहार में भाजपा के निषाद और मांझी वोटबैंक को मजबूत करने की एक बड़ी रणनीति का हिस्सा आने वाले दिनों में बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की महाकाल की नगरी उज्जैन में उपस्थिति और बड़े पैमाने पर परियोजनाओं की घोषणा इस समुदाय को यह विश्वास दिलाने का प्रयास है कि भाजपा मछुआ समुदाय के हितों के प्रति संवेदनशील है। 2023 के चुनावों में कांग्रेस ने भी मछुआ समुदाय को लुभाने के लिए कई वादे किए थे लेकिन सत्ता में वापसी नहीं कर पाई। अब निषादराज सम्मेलन के जरिए भाजपा द्वारा इस समुदाय को देने वाली सौगातें विपक्षी दलों की भविष्य में मुश्किलें बढ़ा सकती हैं।

क्या हमारी जीवनशैली मासूम धड़कनों की दुश्मन बन गई है?

जब भी हम हार्ट अटैक शब्द सुनते हैं, हमारे ज़ेहन में पचास-पैंसठ साल का कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति सामने आता है–भागदौड़ भरी ज़िंदगी में उलझा, तनाव और थकान से लदा हुआ। पर आज हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी और चौंकाने वाली है। आज दिल के दौरे सिर्फ बड़ों का ही नहीं, बल्कि मासूम बच्चों का भी पीछा कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां स्कूल जाते बच्चे अचानक गिर जाते हैं और डॉक्टर उसे कार्डियक अरेस्ट या सडन हार्ट फेल्योर बता देते हैं।

प्रियंका सौरभ

भारत में बच्चों में हार्ट अटैक की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। इसका संबंध बच्चों की बदलती जीवनशैली, खान-पान, मानसिक तनाव और स्क्रीन टाइम से है। स्कूलों में नियमित हेल्थ जांच, योग, पोषण शिक्षा और अभिभावकों की जागरूकता से ही इस खतरे को रोका जा सकता है। यह केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतावनी है।

जब भी हम हार्ट अटैक शब्द सुनते हैं, हमारे ज़ेहन में पचास-पैंसठ साल का कोई अधेड़ उम्र का व्यक्ति सामने आता है-भागदौड़ भरी ज़िंदगी में उलझा, तनाव और थकान से लदा हुआ। पर आज हकीकत इससे कहीं अधिक डरावनी और चौंकाने वाली है। आज दिल के दौरे सिर्फ बड़ों का ही नहीं, बल्कि मासूम बच्चों का भी पीछा कर रहे हैं। देश के कई हिस्सों से ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जहां स्कूल जाते बच्चे अचानक गिर जाते हैं और डॉक्टर उसे कार्डियक अरेस्ट या सडन हार्ट फेल्योर बता देते हैं। क्या यह केवल संयोग है या फिर हमारी जीवनशैली ने नन्हे दिलों पर हमला बोल दिया है?

पिछले कुछ महीनों में देशभर से कई ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जो इस खतरे की गंभीरता की पुष्टि करती हैं। ताजा मामला मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले का है, जहां आठ साल की मासूम बच्ची स्कूल गेट पर पहुंचते ही गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई। इससे पहले गुजरात, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र जैसे राज्यों से भी स्कूली बच्चों की हार्ट अटैक से हुई मौत की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इंडियन मेडिकल जर्नल्स के अनुसार, 2021 और 2022 के बीच 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों में अचानक कार्डियक अरेस्ट से मौत के मामलों में 35त्न की वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2022 में अकेले भारत में 32,457 युवाओं की मौत हृदयाघात से हुई। इनमें बड़ी संख्या 10 से 18 वर्ष के बीच के किशोरों की थी।

सवाल यह है कि ऐसा हो क्यों रहा है? क्या यह सिर्फ अनुवांशिकता का मामला है? क्या बच्चों में जन्मजात हृदय रोग अचानक सक्रिय हो रहे हैं? या फिर इसके पीछे हमारी बदलती जीवनशैली, खान-पान, स्क्रीन टाइम, मोटापा, मानसिक तनाव और शारीरिक निष्क्रियता का कोई बड़ा योगदान है?

विशेषज्ञ कहते हैं कि इसका कारण मल्टी फैक्टोरियल है-अर्थात यह कई कारकों का मिश्रण है। आज के बच्चे ब्रेड-बर्गर, पिज़्ज़ा, कोल्ड ड्रिंक और पैकेज्ड स्नैक्स पर निर्भर हैं। पौष्टिक आहार, जैसे हरी सब्जियाँ, दालें, फल, दूध अब उनके भोजन का हिस्सा नहीं रह गया है। पहले बच्चे गली-मोहल्ले में दौड़ते-खेलते थे। अब मोबाइल और गेमिंग कंसोल्स ने उनका बचपन छीन लिया है। खेल के मैदानों की जगह टैबलेट ने ले ली है। स्कूलों में अत्यधिक होमवर्क, कोचिंग की दौड़, माता-पिता की अपेक्षाएं और हर क्षेत्र में 'बेस्ट' बनने का दबाव बच्चों में मानसिक तनाव पैदा कर रहा है। यह तनाव शरीर में कोर्टिसोल और अन्य हॉर्मोन को असंतुलित कर देता है, जिससे हृदय पर असर पड़ता है।

देर रात तक मोबाइल चलाना, रील्स देखना और ऑनलाइन गेम खेलना बच्चों की नींद को प्रभावित करता है। नींद की कमी सीधे दिल की सेहत से जुड़ी है। बाल हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि बच्चों में हार्ट अटैक आमतौर पर कॉन्जेनिटल हार्ट डिजीज, कार्डियोमायोपैथी, इलेक्ट्रिकल डिसऑर्डर्स या मायोकार्डिटिस के कारण होता है। लेकिन इनका समय पर पता न चलने के कारण बच्चे अचानक मौत का शिकार हो जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे देश में बाल स्वास्थ्य की जांच प्रणाली बहुत कमजोर है। अधिकतर स्कूलों में नियमित हेल्थ चेकअप नहीं होते, और माता-पिता भी बच्चों के थकान या सांस फूलने जैसे लक्षणों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं।

इस संकट से निपटने के लिए हमें एक बहुआयामी रणनीति अपनानी होगी। सरकार को सभी निजी और सरकारी स्कूलों में हर 6 महीने में हृदय जांच, ईसीजी और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य करना चाहिए। स्कूलों में फिट इंडिया जैसे अभियानों को गंभीरता से लागू किया जाए। बच्चों को योग, प्राणायाम, ध्यान और नियमित शारीरिक व्यायाम के लिए प्रेरित किया जाए। माता-पिता को अपने बच्चों के खान-पान, नींद और स्क्रीन टाइम पर सतर्क निगरानी रखनी होगी। बच्चे की थकान, चिड़चिड़ापन या किसी भी असामान्य शारीरिक लक्षण को गंभीरता से लें।

विद्यालयी पाठ्यक्रम में 'पोषण शिक्षा' को शामिल किया जाए ताकि बच्चे कम उम्र से ही हेल्दी फूड और शरीर के महत्व को समझ सकें। टेलीविजन और डिजिटल मीडिया को केवल उत्पाद बेचने के बजाय समाज को स्वस्थ जीवनशैली के लिए शिक्षित करने की भूमिका निभानी चाहिए। यह विडंबना ही है कि जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दौड़ में है, तब उसका भविष्य यानी बच्चे हृदय रोगों से जूझ रहे हैं। नीति आयोग, स्वास्थ्य मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय को मिलकर एक समन्वित नीति बनानी चाहिए, ताकि बच्चों की स्क्रीनिंग, हेल्थ एजुकेशन और इमरजेंसी सुविधाएं हर स्कूल में सुनिश्चित हो सकें। यह केवल स्वास्थ्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और मानव संसाधन विकास का मामला है।

देश के सेना और वैज्ञानिक क़ो सम्मान करना चाहिए

संजय गोस्वामी

आज सब अपना देखते हैं यही ख़र्ज है आज महंगाई में मिडिल क्लास का जीना हराम हो गया है सैलरी लगता खुब मिलता है लेकिन खर्च भी बढ़ता जा रहा है 100 रूपये का आज क्या वैल्यू है उसपर सब्जी का फल का रेट देखिए अब वो जमाना गया कि कैसे भी एडजस्ट करते थे और पढ़ाई भी सस्ती थी सब्जियाँ फल तो घर में ही उगा लेते थे और काम भी चल जाता था अब बिगबास्केट, ज़ेप्टो, ग्रोफर जैसी तमाम ग्रोसरी से लेकर फल सब्जियाँ देती है घर पर ही जो ताजी नहीं मिलती और बापस करने पर तमाम तरह के फोटो रिटर्न्स नहीं होगा और ठगा ठगा महसूस करता है बिगबास्केट तो बिल्कुल ख़राब समान दे रहा है कितनी बार फंगस लगा हुआ मिला और बार बार ऐसा होने पर अकाउंट ही लॉक कर दिया दरअसल मैं ऑनलाइन के चक्कर में नहीं रहता हूँ लेकिन ऐ आज फॅमिली की पसंद बन गई है पहले सब्जी खरीदने बाजार निकलते थे उससे कई गुना सस्ता समान आज भी आप सब्जियाँ बाजार से खरीद कर देंखे इससे आपके दो फायदा होगा आपका घूमना भी होगा और वहाँ भी जो अच्छा होगा आप चुन कर लेंगे और इसी बहाने फल भी खरीद लेंगे आप एक बार आजमाने की कोशिश करें हाँ किराना का सामान हो सकता है सस्ता ना मिले लेकिन घुन या फंगस लगा हुआ सामान नहीं मिलेगा क्योंकि वहाँ किराना स्टोर उसे फेंक देती है जबकी बिगबास्केट आदि यही सामान क़ो बिल्कुल एक्सपायरी डेट के करीब का देती है जो एक तरह से रोड पर मारा मारा फिरता है और कई तो उसे एक्सपायरी डेट क़ो ही रीप्रिंट कर देते है पहले सामान दिखा कर उसी के हिसाब से रेट मिलता था और सस्ता था उसे भी बेचना है आप दादर का भाजी मार्केट देखिए वहाँ कुछ समय सुबह तक खुब भाजी मिलता है जिसे जोमाटो और अन्य ऑनलाइन जो खाने का सामान देते है यहाँ तक की होटल भी निकला खुब लेते है सुबह में सुन्दर दीखता है और जैसे ही मुंबई महानगर के लोग सफाई के लिए आते है वो रोड पर मारा मारा फिरता है और क़ोई उसे भी लें जाता है शायद होटल के लिए अत: खाने पर बाहर का खाना ऑनलाइन खरीदने से बचें और जहाँ तक हो पैसे बचाने की कोशिश करें बहुत दु:ख होता है जब अंग्रेजो की लड़ाई सब मिलकर लड़े फिर भी गुलामी सा महसूस क्यों होता है अमेरिका एक बार नहीं सौ बार कहता है कि हम भारत और पाकिस्तान का सीज़फायर कराई अमीर लोग अमीर बनते जा रहे हैं और मध्यम वर्ग पीस रहा है कुछ दिन पहले किसी मरीज की हालत ख़राब थी एम्बुलेंस समय पर नहीं रहा और अपनी गाड़ी थोड़ी सी इधर से उधर हुई और चलाना कट गया और ऐ क़ोई मामूली रकम नहीं होता है जबकी रोडो का इतना गहरा गढ़ा टुटा फूटा कहीं कहीं लाइट नहीं है इसका कौन जिम्मेदार है एक तरफ चलान काटा गया लेकिन रोड की हालत भी देखिए आम आदमी हर जगह मारा जा रहा है क्या खाएगा क्या कमायेगा महंगाई का मतलब है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में सामान्य वृद्धि। इसे मुद्रास्फीति भी कहा जाता है। इसका मतलब है कि एक ही राशि में अब कम सामान और सेवाएं खरीदी जा सकती हैं, क्योंकि कीमतें बढ़ गई हैं। ्सरकार द्वारा अधिक पैसा छापना या खर्च करना भी महंगाई का कारण बन सकता है। युद्ध और प्राकृतिक आपदाएंूयुद्ध या प्राकृतिक आपदाओं के कारण आपूर्ति बाधित होने से कीमतें बढ़ सकती हैं। महंगाई का प्रभावूखरीद शक्ति में कमी्महंगाई से लोगों की खरीद शक्ति कम हो जाती है, क्योंकि वे अब एक ही राशि में कम सामान खरीद पाते हैं। बचत पर प्रभावूमहंगाई से बचत का मूल्य कम हो जाता है, क्योंकि मुद्रा का मूल्य गिर जाता है। महंगाई गरीबों पर अधिक प्रभाव डालती है, क्योंकि उनके पास अपनी आय बढ़ाने के सीमित विकल्प होते हैं। ्केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को बढ़ाकर और पैसे की आपूर्ति को कम करके महंगाई को नियंत्रित कर सकता है। सरकार खर्च को कम करके और करों को बढ़ाकर महंगाई को नियंत्रित कर सकती है। सरकार कुछ वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों को नियंत्रित कर सकती है और सब्सिडी प्रदान कर सकती है पेनाल्टी कम करे जो गलती से हुआ हो.उच्च महंगाई आर्थिक विकास को धीमा कर सकती है, क्योंकि यह निवेश और खपत को कम करती है।

खास बात

बिहार में बंटने के पहले ही 50 फ़ीसदी प्रपत्र जमा

इन दिनों चुनाव आयोग का तमाशा सारा देश देख रहा है। चुनाव आयोग ऐसे ऐसे दावे कर रहा है।जो वास्तविकता से बहुत दूर है। वह अपने दावों का ही खंडन कर देता है। ऐसा लगता है, चुनाव आयोग को गृह मंत्रालय ने अपने अधीन कर लिया है। चुनाव आयोग अब चुनाव कराने के साथ-साथ नागरिकता तय करने का काम भी कर रहा है। चुनाव आयोग ने हाल ही में दावा किया था। बिहार विधानसभा के सभी मतदाताओं को प्रपत्र भेज दिए गए हैं। उसमें 50 फ़ीसदी प्रपत्र जमा भी हो गए हैं। योगेंद्र यादव ने बिहार में एक सर्वे कराया था। उसमे 50 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं को अभी तक प्रपत्र ही नहीं मिले हैं।जमा करने की बात तो बहुत दूर की है। तुलसीदास जी ने रामायण में कहा है,समरथ को नहीं दोष गुसाई।

आधार के नाम पर सरकारी धोखाधड़ी?

सुप्रीम कोर्ट से अभी भी आधार को मान्यता नहीं मिली है। इसके बाद भी पिछले एक दशक में सरकार ने आधार को एक तरह से अनिवार्य कर रखा है। बैंक में खाता खोलना, आयकर विभाग में पंजीयन कराने, पासपोर्ट लेने, किसी भी सरकारी योजना और कामकाज के लिए सरकारी विभागों ने आधार अनिवार्य कर रखा था। बिहार में पहली बार चुनाव आयोग ने आधार को निराधार माना है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन,चुनाव आयोग करने की तैयारी कर रहा है। सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में इसे अनिवार्य नहीं करने का शपथ पत्र दिया था। उसके बाद भी पिछले एक दशक में बिना आधार के कोई भी सरकारी काम नहीं हो रहा है। चुनाव आयोग ने पहली बार आधार की वास्तविकता को उजागर कर दिया है।

गरीबों की मौत पर नहीं मिलेगा, बीमा मुआवजा?

सुप्रीम कोर्ट के दो जजों की खंडपीठ ने एक ऐसा फैसला दिया है। जिसमें बीमा कंपनियों की बल्ले बल्ले हो गई है। जो गरीब एक्सीडेंट में मारे जाते हैं। उन्हें अब बीमा कंपनी से मुआवजा भी नहीं मिलेगा। गाड़ी चलाते समय किसी लापरवाही या गलती से दुर्घटना में मौत हुई है। मरने वाले के परिवार को यह साबित करना पड़ेगा। ऐसी दशा में सड़क बीमा दुर्घटना का लाभ गरीब व्यक्ति के परिवार को नहीं मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला गरीबों के विरुद्ध और बीमा कंपनियों के पक्ष में है। अभी तक सड़क दुर्घटना में मरने वाले व्यक्ति के परिवार को दुर्घटना बीमा का लाभ अनिवार्य रूप से मिलता था। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से अब लाभ मिलना लगभग बंद हो जाएगा। पूंजीवादी व्यवस्था में वैसे भी गरीबों का स्थान एक गुलाम और पालतू पशु के रूप में होता है।

28 जुलाई को चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट की परीक्षा

बिहार में मतदाता सूची के सघन पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को आधार कार्ड, राशन कार्ड को पहचान पत्र मानने का सुझाव दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस सुझाव को चुनाव आयोग मानेगा या नहीं। इसका पता 28 जुलाई की सुनवाई के बाद पता लगेगा। देश में इस बात की चर्चा हो रही है। 28 जुलाई को चुनाव आयोग के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट की भी परीक्षा होगी। 28 तारीख को सुनवाई होगी या तारीख पर फिर तारीख मिल जाएगी। सुप्रीम कोर्ट कोई ऐसा फैसला देगी, जो नागरिकों के हक में होगा। इसको लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर जो याचिका सुप्रीम कोर्ट में लगी थी।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, तीज, रविवासरे, श्रवण नक्षत्रे, प्रीत योगे, वव करणे, मकर की चंद्रमा 19/26, वक्री शनि, पंचक प्रारंभ रात्रि 7/23 औषधि सेवन, मुर्हूत तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम तथा फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनी-मानी, स्वतंत्र विचार का, गुणी होगा।

मेष राशि- मानसिक बेचैनी, दुघर्टनाग्रस्त होने से बचें, अधिकारियों से तनाव होगा।

वृष राशि- योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन जुटायेंगे, विशेष लाभ होगा।

मिथुन राशि- किसी अपवाद व दुर्घटना से बचें, विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य अवरोध होगा।

कर्क राशि- परिश्रम से कुछ सफलता मिले, कार्य व्यवस्था की चिन्ता रहेगी, तनावग्रस्त होने से बचें।

सिंह राशि- किसी अपवाद या दुर्घटना से बचें, व्यवसायिक क्षमता में बाधा आयेगी, कार्यगति पर ध्यान दें।

कन्या राशि- व्यवसायिक गति उत्तम रहेगी, चिन्तायें कम होंगी, अवरोध के बाद कार्य बनेगा ध्यान दें।

तुला राशि- मानसिक बेचैनी रहेगी, उद्विघ्नता के योग बनेंगे, कुटुम्ब में क्लेश की संभावना।

वृश्चिक राशि- सामर्थ वृद्धि के बाद तनाव, झगड़े के योग बनेंगे तथा कुटम्ब में क्लेश होगा।

धनु राशि- कुटुम्ब की समस्यायें कष्टप्रद होंगी, तनाव, धन का व्यर्थ व्यय होगा, धैर्य रखें।

मकर राशि- योजनायें फलीभूत होंगी, सफलता के साधन जुटायेंगे, प्रयास से कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि- स्वभाव में खिन्नता रहेगी, मानसिक बेचैनी से कार्य बिगड़ सकते हैं, सावधानी से कार्य करें।

मीन राशि- तनाव, क्लेश व अशांति से मानसिक बेचैनी रहेगी, परिश्रम सफल होगा, कार्यगति मंद रहेगी।

डॉ. पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

13 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.42 बजे से
चंद्र	मकर में	सिंह	07.58 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.10 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.35 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.51 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.56 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.15 बजे से
		मेष	23.46 बजे से
		वृष	01.26 बजे से
		मिथुन	03.24 बजे से

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

रविवार 2025 वर्ष का 194 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** तृतीया 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 06.53 बजे को समाप्त। **योग** प्रीति 18.01 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 13.28 बजे तदनन्तर विष्टि 01.03 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 17.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 49' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872404 **जूलियन दिन** 2460869.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 17 **विशेष** जयापार्वती व्रत समाप्त।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ब्रोकली की खेती

कर किसान कमाएं अधिक मुनाफा

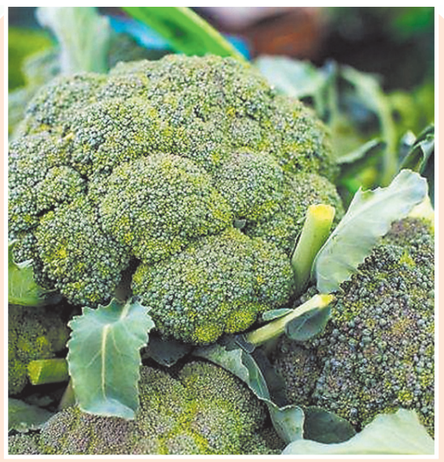

ब्रोकली गोभीय वर्गीय सब्जियों के अंतर्गत एक प्रमुख सब्जी है। यह एक पौष्टिक इटालियन गोभी है। जिसे मूलतः सलाद, सूप, व सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है। ब्रोकली दो तरह की होती है - स्प्राउटिंग ब्रोकली एवं हेडिंग ब्रोकली। इसमें से स्प्राउटिंग ब्रोकली का प्रचलन अधिक है। हेडिंग ब्रोकली बिलकुल फूलगोभी की तरह होती है, इसका रंग हरा, पीला अथवा बैंगनी होता है। हरे रंग की किस्म ज्यादा लोकप्रिय है। इसमें विटामिन, खनिज लवन (कैल्शियम, फास्फोरस एवं लौह तत्व) प्रचुरता में पाये जाते हैं।

पौष्टिकता से भरपूर होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए अधिक फायदेमंद है। देश के बड़े शहरों में इसकी अत्यधिक मांग होने के कारण इसकी खेती पर्वतीय क्षेत्रों में विशेषकर हिमाचल प्रदेश में बड़े पैमाने पर की जाने लगी है। उत्तराखंड में भी इसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। इसका बाजार भाव अधिक होने के कारण किसानों को अधिक आय प्रदान कर सकती है। अधिक मुनाफा देने के कारण किसान समाधान इसकी जानकारी लेकर आया है।

खेत की तैयारियां

ब्रोकोली के लिए दुमट अथवा बलुई - दुमट मिटटी वाली भूमि सर्वोतम मणि जाती है। अधिक अम्लीय भूमि इसके लिए अच्छी नहीं होती है। भूरी मिटटी एवं उपजाऊपन वाले खेत भी इसकी खेती हेतु उपयुक्त होते हैं, किन्तु उनमें जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए। खेत में पानी रुकना नहीं चाहिए अन्यथा पौधों की बढवार रुक जाती है और पौधे पीले पड़कर सड़ने लग जाते हैं। खेत की तैयारी के लिए दो जुताई पर्याप्त होती हैं, जिसमें अच्छी साड़ी गोबर की खाद दो कुन्तल प्रति नाली की दर से मिलाकर रोपाई हेतु भली - भंति तैयार करना चाहिए।

बीज बुवाई का समय

अच्छे शीर्षों के निकलने एवं विकास के लिए 12 - 16 डिग्री सेन्टीग्रेट तापमान उपयुक्त होता है। अतः बीज की बुवाई एवं रोपाई के समय का निर्धारण उचित तापमान तथा क्षेत्र विशेषकर एवं वातावरणीय प्रस्थिति को ध्यान में रखते हुये किया जाना चाहिए।

निचले पर्वतीय क्षेत्र - सितम्बर अन्त से अक्तूबर
मध्य पर्वतीय क्षेत्र - मध्य अगत से सितम्बर
वेमौसमी खेती हेतु नवम्बर से मध्य जनवरी
ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र - मार्च अथवा अप्रैल

बीज दर

ब्रोकोली के लिए 400 - 500 ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर (8 - 10 ग्राम प्रति नाली) पर्याप्त होता है।

पौधशाला की तैयारी

जमीन से 15 सेमी. उठी हुयी नर्सरी की क्यारी में अच्छी साड़ी हुयी गोबर / कम्पोष्ट खाद तथा 50 - 60 ग्राम प्रति वर्गमीटर की दर से सिंगल सुपर फास्फेट मिलाकर भूमि की तैयारी करनी चाहिए। पौधशाला में भूमिगत कीटों एवं व्याधियों से बचाव के इए यह उपाय अपनायें।

क्यारी में 5 ग्राम थायरम प्रति वर्गमीटर की दर से अच्छी प्रकार मिलाकर 5 - 7 सेमी. की दुरी पर 1.5 - 2 सेमी. गहरी कतारें निकालें। तत्पश्चात कवकनाशी 10 ग्राम ड्राईकोडर्मा या एक ग्राम कार्बेन्डाजिम अथवा 2.5 ग्राम थाइरम प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से शोधित बीज की बुवाई करें तथा जमने तक हल्की सिंचाई फव्वारे द्वारा करें। अधिक वर्ष से बचाव हेतु नर्सरी की क्यारी को घासफूस की छपर अथवा पालीथीन शीट से ढकने का प्रबन्ध रखना चाहिए। बेमौसमी खेती हेतु पौध पालीहाउस अथवा पालिटनल के अन्दर तैयार करनी चाहिए। पालीहॉउस अथवा पालीटनल के अन्दर भी पौधशाला में जड़ों में तापमान आवश्यकता से कम होने पर पालीहाउस में हीटर लगा दें। इससे बीजों का जमाव शीघ्र होने में मदद मिलेगी।

रोपाई

रोपाई हेतु 25 - 30 दिन की पौध उपयुक्त होती है। अतः पौध तैयार होने पर रोपाई शीघ्र करें। रोपाई से पूर्व नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा और 500 ग्राम थीमेट प्रति नाली की दर से खेत में छिड़क कर अच्छी तरह खेत तैयार कर लें। उसके बाद कतार से कतार की दूरी 45 - 50 सेमी. तथा पौध की दुरी 45 - 50 सेमी. रखते हुये पौध रोपाई कर हल्की सिंचाई करें। यदि कुछ पौधे मर गये हों अथवा बढवार अच्छी न हो तो उनके स्थान पर नई पौध की पुन : रोपाई एक हफ्ते के अन्दर कर दें। रोपाई के एक माह बाद शेष आधी नत्रजन मात्रा छिड़क कर पौधों के चारों तरफ मिटटी चढायें।

खाद या उर्वरक

उर्वरको का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करना उपयुक्त रहता है। अच्छी उपज के लिए प्रति हैक्टेयर 15 - 20 टन गोबर / कम्पोष्ट खद, 100 किलोग्राम नत्रजन, 100 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग किया जाना अनुकूल होता है।

खरपतवार नियंत्रण

शुरू के डेढ़ से दो माह तक खेत से खरपतवार निकलते रहें जिससे पौधों की बढवार अच्छी हो सके। इसके लिए आवश्यकतानुसार दो से तिन निराई - गुडाई पर्याप्त होगी।

जड़ विगलन

इस रोग के कारण रोपाई के उपरान्त कुछ पौधों की बढ़वार रुकी हुई दिखायी पड़ती है। पौधों को उखाड़कर देखने पर पत्ता चलता है कि इनकी जड़ें गलकर केवल एक तार की तरह हो गई हैं। इसकी रोकथाम के लिए बीज उपचार आर्द्रगलन रोग जैसा करें, रोपाई के समय पौध को दावा के घोल में डुबोकर लगायें तथा रोग के लक्षण खेत में दिखाई देने पर कार्बेन्डाजिम का 0.1 प्रतिशत की दर (एक ग्राम / लीटर पानी) से घोल बनाकर पौधों की जड़ों के पास छिड़काव करें तथा उचित फसलचक्र भी अपनायें।

कलि पर्णचिती रोग व मृदुल आसिता :-

इस रोग के कारण पत्तियों पर काले या भूरे धब्बे दिखाई देते हैं। इसके नियंत्रण हेतु मैंकोजेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से पौधों में छिड़काव करें।

कीट नियंत्रण

माहू :- इस कीट के व्यस्क तथा शिशु दोनों ही मुलायम पत्तियों से रस चूसकर पौधों को हानि पहुंचाते हैं। पत्तियां पिली पद कर सूखने लगती हैं। प्रकोप अधिक होने पर गोभी के शीर्षों में भी माहू दिखायी पड़ते हैं। इसके नियंत्रण हेतु एजेडारेक्टीन 1 - 2 मिली. अथवा इमिडाक्लोप्रिड 0.3 मिली. प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

गोभी की तितली

यह एक सफ़ेद रंग की तितली हैं, जिसके पीले रंग के अंडे गुच्छे में पत्तियों के पिछली स्थ पर बहुतायत में दिखाई पड़ते हैं। अंडो से निकलने वाली शुरुआती अवस्था से ही पत्तियों को भरी मात्रा में क्षति पहुंचती हैं। इसके नियंत्रण हेतु सबसे अंडों को चुनकर नष्ट कर दें फिर नियंत्रण हेतु इंडोसल्फान 35 ई.सी.का 2 मिली. अथवा इंडोक्साकार्ब 14.5 ई.सी. का 0.2 मिली. या बैसिलस थुरिंजीयेन्सिस का 1.5 - 2.0 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

फसल की कटाई

ब्रोकोली के शीर्ष की कटाई शीर्ष की कलियों के खुलने से पहले ही की जाती है। शीर्ष को 10 - 20 से.मी. तने (डंठल) के साथ काट लिया जाता है। इसके पश्चात् निचले पत्तों के कक्षों से नई कोपलें निकलती है जिनमे छोटे - छोटे शीर्ष बनते हैं। इन्हें भी समय - समय पर काट लेना चाहिए।

उपज

ब्रोकोली की औसत उपज 150 - 200 कुन्तल प्रति हैक्टेयर (3 - 4 कुन्तल प्रति नाली) है।

अनुमोदित किस्में

के.टी.एस.- 1 :-

इस किस्म के शीर्ष हरे रंग के कोमल डंठल युक्त होते हैं, जिनका औसत वजन 200 - 300 ग्राम होता है और रोपाई के लगभग 80 - 90 दिनों बाद काटने योग्य हो जाता है। मुख्य शीर्ष काटने के कुछ दिनों बाद छोटे - छोटे शीर्ष शाखाओं की तरह मुख्य भाग के रूप में पत्तियों के कक्षों से निकलते हैं उन्हें भी काटकर उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

पालक समृद्धि

यह किस्म भी हरे शीर्ष वाली स्प्राउटिंग ब्रोकोली किस्म है। जिसका शीर्ष भाग बड़ा एवं लम्बे कोमल डंठल युक्त होता है। प्रत्येक शीर्ष का औसत वजन 25- - 300 ग्राम होता है। मुख्य शीर्ष को काटने के बाद छोटे - छोटे शीर्ष पत्तों के कक्षों से निकलते हैं। यह किस्म 85 - 90 दिनों में रोपाई के बाद कटाई योग्य हो जाती है। इसमें येलो आई रोग एवं ब्रैक्टिंग विकार के लिए प्रतिरोधिता पायी जाती है।

एन.एस.- 50

यह मध्यम अवधि में तैयार होने वाली संकर किस्म है। इनके हेड गठीले, समरूप एवं गुम्बदाकार होते हैं। यह किस्म कैट आई से रहित है। इसके पौधे मृदुरोमिल आसिता एवं काला सडन रोग के प्रति सहनशील है। इसका बीज नामधारी मार्क से बाजार में मिलता है।

ब्रोकोली संकर - 1 :

इसकी परिपक्वता रोपाई के 60 - 65 दिन बाद होती है। इसके शीर्ष हरे रंग के गठीले होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसके बीज राष्ट्रीय बीज निगम द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते हैं।

टी.डी.सी. - 6 :

इसके शीर्ष हरे रंग के होते हैं, जिसका औसत वजन 600 - 800 ग्राम होता है। इसकी फसल रोपाई के 65 - 70 दिन बाद तैयार हो जाती है। इसकी बुवाई दर 300 - 350 ग्राम प्रति हैक्टेयर अनुमोदित की गयी है। इस प्रजाति के बीज उत्तराखंड तराई बीज निगम, पंतनगर द्वारा किसानों को उपलब्ध कराये जाते है।

रोग नियंत्रण

इस फसल में बीमारियों का प्रकोप अधिक नहीं होता है किन्तु रोपाई के बाद कुछ कीटों एवं व्याधियों का प्रकोप हो सकता है।

आर्द्रपतन

पौध जमीन की स्थ से गलकर मरने लगती है। इसके उपचार एवं रोकथाम के लिए निम्न उपाय अपनाने चाहिए।
भूमि में जल निकास का उचित प्रबन्ध करें।
नर्सरी का स्थान ऊँची जगह पर चुने एवं हर वर्ष बदलते रहें।
कार्बेन्डाजिम एक ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें अथवा जैविक विधि से बीज उपचार हेतु ट्राइकोडर्मा विरिडी (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) अथवा ट्राइकोडर्मा हरजियानम 10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा 25 ग्राम ट्राइकोडर्मा एवं 2.5 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर प्रति नाली की दर से पौधशाला की मिटटी में मिलायें।
नर्सरी में बीज की घनी बुवाई न करें और बुवाई कतारों में करें।
पौधशाला को सौर्यकरण द्वारा निर्जिविकरण करें।
बुवाई के 10 दिन बाद कार्बेन्डाजिम की 1 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर क्यारियों को तर करें तथा पुः 15 - 20 दिन बाद इसी दावा के घोल से क्यारी को ट्र कर लें।

चीकू की आधुनिक खेती कैसे करें?

चीकू की खेती भारत के आंध्रप्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक तथा तमिलनाडु राज्यों में की जाती है। हाल के वर्षों में इसकी खेती अलग - अलग राज्यों में होने लगी है। इसकी खेती में कम लगत में अधिक मुनाफे के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इस फल के लिए एक खास बात यह है की इसकी खेती के लिए कम सिंचाई के साथ - साथ रख - रखाव आसान है। सबसे बड़ी बात है की इसकी अधिक मांग रहने से बाजार आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन उन्नत तरह से खेती करने से चीकू का उत्पादन अधिक होता है।

उन्नत किस्में

बड़े फल तथा पतले छिलके के साथ गुदा मीठा अच्छे चीकू का पहचान है इसलिए इसकी उन्नत किस्मों का अधिक ध्यान रखना जरुरी है। चीकू की उन्नत किस्में क्रिकेट बाल, कलि पत्ती, भूरी पत्ती, पी.के.एम.1, डीएसएच - 2 झुमकिया, आदि किस्में अति उपयुक्त है। क्रिकेट की बाल, कालीपट्टी, कलकत्ता राउंड, कीर्तिभारती, द्वारापुड़ी, पाला, पीकेएम -1, जोनावालासा ढ़ु और ढ़ुढ़ु, बैंगलोर, वावी वलसा आदि परन्तु उत्तरभारत में बारहमासी किस्म ज्यादा फेमस है।

पौध प्रवर्धन

चीकू की पौध बीज तथा कलम, भेट कलम से तैयार की जाती है लेकिन व्यवसायिक खेती के लिए किसान को शीर्ष कलम, तथा भेंट कलम विधि द्वारा तैयार पौधों को ही बोना चाहिए। पौध तैयार करने की सबसे उपयुक्त समय मार्च - अप्रैल है।

पौधों की रोपाई

पौधों की रोपाई वर्ष ऋतू में उपयुक्त रहती है। पौधों की रोपाई से पहले पौधों के लिए जड़ों को तैयार जरुर कर लेना चाहिए। इसके लिए गर्मी के दिनों में ही 7 - 8 मी. दुरी वर्गाकार विधि से 90 से.मी. गहरा आकार के गड्ढे तैयार कर लेना चाहिए। गड्ढों को भरते समय मिट्टी के साथ लगभग 30 किलोग्राम गोबर की अच्छी तरह सड़ी खाद, 2 किलोग्राम करंज की खली एवं 5 - 7 कि.ग्रा. हड्डी का चुरा प्रत्येक गड्ढे में डालकर भर देना चाहिए। पौधों को बोने के बाद जड़ों में मिट्टी भरकर थाला बना लें।

खाद एवं उर्वरक का उपयोग

पेड़ों में समय - समय पर खाद देते रहना चाहिए, जिससे पौधों का विकास 10 वर्षों तक होता रहे। पोधों के रोपाई के एक वर्ष बाद 4 - 5 टोकरी गोबर की खाद, 2 - 3 कि.ग्रा. अरण्डी / करंज की खली एवं 50:25:25 ग्रा. एन.पी.के. प्रति वर्ष डालते रहना चाहिए। यह मात्रा 10 वर्ष तक बढ़ाते रहना चाहिए तत्पश्चात 500:250:250 ग्रा. एन.पी.के. की मात्रा प्रत्येक वर्ष देना चाहिए। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए की खाद और उर्वरक का उपयोग केवल जून तथा जुलाई में ही करना चाहिए। खाद सीधे जड़ में नहीं डालें बल्कि इसके लिए पौधे से दूर एक नाली बना लें उस नाली से खाद का घोल बनाकर दें।

सिंचाई

बरसात के मौसम में सिंचाई की जरुरत नहीं पड़ती है लेकिन गर्मी के मौसम में 7 दिन पर तथा सर्दी के मौसम में 15 दिन पर सिंचाई करने से पौधों में फल तथा फूल अच्छे लगते है।

पौधों की देख रेख तथा काट छांट

चीकू के पौधों को विशेष रूप से सर्दी के मौसम में पाले से बचाना जरुरी रहता है। यह खास ध्यान पौधों की रोपाई के 3 वर्ष तक रखने की जरुरत है। इसके लिए छोटे पौधों को बचाने के लिए पुआल या घास के छप्पर से इस प्रकार ढक दिया जाता है कि वे तीन तरफ से ढके रहते हैं और दक्षिण - पूर्व दिशा धूप एवं प्रकाश के लिए खुली रहती है। पौधों की रोपाई के समय मूल वृत्त पर निकली हुई टहनियों को काटकर साफ कर देना चाहिए। पेड़ का क्षत्रक भूमि से 1 मी. ऊँचाई पर बनने देना चाहिए। जब पेड़ बड़ा हो जाता है, तब उसकी निचली शाखायें झुकती चली जाती है और अन्त में भूमि को चुने लगती है तथा पेड़ की ऊपर की शाखाओं से ढक जाती है। इस शाखाओं में फल लगने भी बंद हो जाते हैं। इस अवस्था में इन शाखाओं को छीलकर निकाल देना चाहिए।

पुष्पन एवं फलन

शीर्ष कलम तथा भेंट कलम के द्वारा तैयार पौधों में 2 वर्षों के बाद फूल एवं फल आना आरम्भ हो जाता है। इसमें फल साल में 2 बार आते है। पहली फरवरी से जून तक और दूसरा सितम्बर से ऑक्टोबर तक। फूल लगने से लेकर फल पककर तैयार होने में लगभग चार महीने लग जाते हैं। चीकू के पौधों से फल को गिरने से रोकने के लिए फूल के समय जिबरेलिक अम्ल के 50 से 100 पी.पी.एम. अथवा फल लगने के तुरंत बाद प्लैनोफिक्स 4 मिली./ली. पानी के घोल का छिड़काव करने से फलन में वृद्धि एवं फल गिरने में कमी आती है।

रोग एवं कीट नियंत्रण

चीकू की पौधों में एक विशेषता यह रहती है की इस पर रोगों तथा कीटों का प्रकोप कम होता है। इसके बाबजूद भी पर्ण दाग रोग तथा कलि बेधक, तना बेधक, पत्ती लपेटक एवं मिलीबग आदि कीटों का प्रभाव देखा जाता है। इसके नियंत्रण के लिए मैंकोजेब 2 ग्रा./ लीटर तथा मोनोक्रोटोफास 1.5 मिली./ लीटर के घोल का छिड़काव करना चाहिए।

उपज

चीकू में रोपाई के दो वर्ष फल मिलना प्रारम्भ हो जाता है। जैसे - जैसे पौधा पुराना होता जाता है। उपज में वृद्धि होती जाती है। एक 30 वर्ष पेड़ से 25,00 से 3,000 तक फल प्रति वर्ष हो जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दर्द में भी रिकॉर्ड तोड़ते ऋषभ पंत, धोनी को पछाड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने एक बार फिर दिखा दिया कि क्यों उन्हें टीम इंडिया की रीढ़ कहा जाता है। लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन पंत के खेलने को लेकर संदेह था, क्योंकि पहले दिन विकेटकीपिंग के दौरान उनकी उंगली में चोट लग गई थी और वह मैदान से बाहर चले गए थे। उनकी गैरहाजरी में ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। लेकिन जब बल्लेबाजी की बारी आई तो पंत न केवल मैदान पर उतरे, बल्कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबको चौंका दिया। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट की पहली पारी में जब टीम मुश्किल में थी, पंत ने न केवल विकेट बचाया, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वह एसईएनए (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों में किसी एक टेस्ट सीरीज में एशियाई विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति पर भड़के माइकल वॉन

लंदन। लॉर्ड्स के मैदान पर भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति ने विवाद खड़ा कर दिया है। टेस्ट के दूसरे दिन सिर्फ 75 ओवर ही फेंके जा सके, जबकि पहले दिन 83 ओवर ही कराए गए थे। इस तरह दोनों दिनों में कुल करीब 23 ओवर कम रह गए। इसे लेकर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कड़ी नाराजगी जताई है। वॉन ने कहा है कि सिर्फ जुर्माना लगाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि नियम ऐसा होना चाहिए कि टेस्ट मैच के सभी पांचों दिन में 90 ओवर का कोटा हर हाल में पूरा किया जाए।

सिनर और अल्कारेज के बीच होगा विम्बलडन 2025 का फाइनल

लंदन। विम्बलडन 2025 का फाइनल कौन-कौन के बीच होगा। इसका फैसला हो गया है। सेमीफाइनल में इतालवी खिलाड़ी जैनिक सिनर ने नोवाक जोकोविच को हरा कर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर रही है। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिकी टेलर फ्?ट्ज को स्पेनिश खिलाड़ी कार्लोस अल्कारेज ने हरा दिया है। अब विम्बलडन 2025 का पुरुष वर्ग का फाइनल डिफेंडिंग चैम्पियन कार्लोस अल्कारेज और नंबर 1 खिलाड़ी जैनि सिनर के बीच खेला जाएगा। सिनर पहली बार विम्बलडन के फाइनल में पहुंचे हैं।

ज्योति सुरेखा हैट्रिक लगाने की ओर

महिला कंपाउंड टीम ने रजत और मिश्रित टीम ने जीता कांस्य

भारतीय महिला कंपाउंड टीम और मिश्रित टीम ने तीरंदाजी विश्वकप के चौथे चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमश रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। भारत के लिए ज्योति सुरेखा वेन्नम पदकों की हैट्रिक लगाने की ओर बढ़ रही है। पदक जीतने के बावजूद इस प्रदर्शन ने मुश्किल परिस्थितियों के दबाव में भारतीय तीरंदाजों की अक्षमता को उजागर कर दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन चीनी ताइपे से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई। क्वालीफिकेशन दौर में कुल 2116 अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और पदार्पण कर रही 16 वर्षीय पृथिका प्रदीप की तिकड़ी स्वर्ण पदक की ओर बढ़ती दिख रही थी और तीसरे दौर के बाद 170-169 की बढ़त बनाए थी। लेकिन यह तिकड़ी निर्णायक क्षण में आए दबाव में लड़खड़ा गई और चीनी ताइपे से 225-227 से हारकर स्वर्ण पदक से चूक गई। इसके बाद मिश्रित टीम स्पर्धा में ज्योति और ऋषभ यादव की शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 10वीं वरीयता प्राप्त एल साल्वाडोर की पाओला कोराडो और डगलस व्लादिमीर नोलास्को की जोड़ी को 156-153 से हराकर कांस्य पदक जीता।

भारतीय मिश्रित जोड़ी ने पहले दिन कुल 1431 अंकों के साथ क्वालीफाइंग विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था। भारतीय मिश्रित जोड़ी शुक्रवार को सेमीफाइनल में उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी थी और 12वीं वरीयता प्राप्त नीदरलैंड से 152-155 से हार गई थी।

ज्योति व्यक्तिगत स्पर्धा में परनीत कौर के साथ भी प्रतिस्पर्धा में हैं और दोनों तीरंदाजों को दिन में अपने-अपने सेमीफाइनल में भाग लेना है।

बर्न, स्विट्ज़रलैंड में शुक्रवार को यूईएफए महिला यूरो 2025 -ग्रुप बी - इटली बनाम स्पेन - स्टेडियन वैंकडॉर्फ, फुटबॉल मैच में स्पेन की क्लाउडिया पिना इटली की जूली पिगा के साथ एक्शन में।

आईएसएल का 2025-26 सत्र स्थगित, एआईएफएफ ने कहा

हम लीग का महत्व समझते हैं लेकिन देश के कानून का सम्मान जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की शीर्ष स्तरीय फुटबॉल लीग आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक चलती है। आईएसएल का आयोजन करने वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और एआईएफएफ के बीच मौजूदा एमआरए (मास्टर अधिकार समझौता) आठ दिसंबर 2025 को समाप्त होने वाला है। तब तक आईएसएल का तीसरा महीना शुरू हो जाएगा।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को कहा कि वे भारतीय फुटबॉल में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के महत्व को अच्छी तरह से समझते हैं लेकिन उसे देश के कानून का भी सम्मान करना होगा। एआईएफएफ ने यह प्रतिक्रिया इसलिए दी है क्योंकि एक दिन पहले ही आईएसएल ने घोषणा की थी कि उसने आयोजकों और फुटबॉल महासंघ के

बीच मास्टर राइट्स एग्रीमेंट (एमआरए) के नवीनीकरण को लेकर अनिश्चितता के कारण 2025-26 सत्र को स्थगित कर दिया है।

एफएसडीएल ने आईएसएल के सभी क्लबों को लिखा पत्र: देश की शीर्ष स्तरीय फुटबॉल लीग आमतौर पर सितंबर से अप्रैल तक चलती है। आईएसएल का आयोजन करने वाली फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) और एआईएफएफ के बीच मौजूदा एमआरए (मास्टर अधिकार समझौता) आठ दिसंबर 2025 को समाप्त होने वाला है। तब तक आईएसएल का तीसरा महीना शुरू हो जाएगा। एफएसडीएल ने आईएसएल के सभी क्लबों को लिखे पत्र में कहा, दिसंबर के बाद किसी निश्चित अनुबंधीय समझौते के अभाव में हम 2025-26 आईएसएल सत्र की प्रभावी योजना बनाने, इसे आयोजित करने या इसका व्यवसायीकरण करने में असमर्थ हैं। इस स्थिति को देखते हुए हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि हम वर्तमान में 2025-26 आईएसएल सत्र को आगे बढ़ाने की स्थिति में नहीं हैं और मौजूदा एमआरए अवधि के अंत के बाद अनुबंधीय रूपरेखा पर और स्पष्टता आने तक इसे स्थगित कर रहे हैं।

एआईएफएफ ने दिया जवाब: एआईएफएफ ने एफएसडीएल के निर्णय के जवाब में बयान जारी कर कहा कि वह कानून के दायरे में लीग को बनाए रखने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेगा। देश

सब-जूनियर बॉयज़ फुटबॉल स्पर्धा का आयोजन देवास में होगा

राज्य फुटबाल स्पर्धा में डीएफए धार का पहला मुकाबला डीएफए इंदौर से होगा

धार, निप्र। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ जबलपुर और जिला फुटबॉल संघ देवास के संयुक्त तत्वाधान में दस दिवसीय सब-जूनियर बॉयज़ राज्य फुटबॉल स्पर्धा का आयोजन देवास में जुलाई माह के दूसरे सप्ताह में किया जा रहा है। इस फुटबॉल स्पर्धा में जिला फुटबॉल संघ (डीएफए) धार की टीम भी भाग लेगी। पुलिस अधीक्षक एवं पदेन डीएफए अध्यक्ष श्री मनोज सिंह तथा आरआई श्री पुरुषोत्तम बिश्नोई के मार्गदर्शन में चयन स्पर्धा, अभ्यास मैचों और प्रशिक्षण शिविर के पश्चात जिला फुटबॉल संघ धार के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शमशेर सिंह यादव द्वारा डीएफए धार टीम की घोषणा की गई। राज्य स्पर्धा में प्रभावी प्रदर्शन के लिए डीएफए धार टीम को वरिष्ठ फुटबॉल प्रशिक्षक राजीव डेविड, शैलेंद्र पाल, लखन भाटिया, सुनीता भाभर, पंकज वर्मा, आशीष अमलियार द्वारा तराशा गया है। प्रशिक्षकों ने कहा कि यह स्पर्धा उदयमान खिलाड़ियों को

फुटबॉल खेल में आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। जिला फुटबॉल संघ (डीएफए) धार के सचिव सुभाष डेविड ने बताया कि राज्य स्पर्धा में पश्चिम क्षेत्र के लिए 8 टीमों को दो ग्रुप में बांटा गया है। धार को ए ग्रुप में इंदौर, जबलपुर और सागर टीमों के साथ रखा गया है। इसी प्रकार बी ग्रुप में रतलाम, नीमच, देवास और रायसेन टीम को रखा गया है। यह स्पर्धा लीग कम नॉक आउट पद्धति से खेली जाएगी। धार टीम अपना पहला मुकाबला इंदौर से दूसरा मुकाबला जबलपुर से और तीसरा मुकाबला सागर टीम के साथ खेलेगी। सेमी फाइनल मुकाबले 18 जुलाई को और फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को खेला जाएगा। धार टीम इस प्रकार है गोलकीपर - देवांश पंवार और वेदांश सावले। डिफेंस - जैनिश बेंजामिन, आदेश कटारे, समर्थ सुनेर और डेंजिल बेंजामिन। मिडफिडर - अंश पवार, वैभव बैरागी, जलज मेंढ़ा, दिव्य कुमार राठौर और खुशाल यादव।

व्यापार समाचार

वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा

पारिस्थितिक तंत्र-विकास में संतुलन जरूरी, दो करदाताओं को किया सम्मानित

शिलांग, एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मेघालय जैसे क्षेत्रों में विकास की आकांक्षाओं के साथ पारिस्थितिक संरक्षण को संतुलित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही ग्रामीण और वन क्षेत्रों में बदलती गतिशीलता के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे की जरूरत पर चर्चा की।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को शिलांग में एक संवाद सत्र के दौरान विकास और इकोलॉजिकल संरक्षण के बीच संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से मेघालय जैसे क्षेत्रों में यह संतुलन बेहद अहम है।

मौसम उपकरण भी जलवायु संकट का पता लगाने में नाकाम: वित्त मंत्री ने स्वीकार किया कि जलवायु संकट इस हद तक बढ़ गया है कि सर्वोत्तम मौसम विज्ञान उपकरण भी मौसम के स्वरूप का सटीक अनुमान नहीं लगा सकते। उन्होंने आगे कहा कि चरम मौसम घटनाएं आम बात हो गई हैं। जो बारिश पहले कई महीनों तक होती थी, अब एक ही दिन में हो रही है। इससे अचानाक बाढ़ आ रही है और लोगों और संपत्ति को भारी नुकसान हो रहा है।

ग्रामीण और वन क्षेत्रों में डिजिटलीकरण की जरूरत: ग्रामीण और वन क्षेत्रों में बदलती गतिशीलता की ओर

इशारा करते हुए उन्होंने आधुनिक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। कंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें कनेक्टिविटी के लिए ऑप्टिकल फाइबर और डिजिटल उपकरणों के माध्यम से वैश्विक पहुंच की जरूरत है ताकि किसान और कारीगर अपने उत्पादों का विपणन कर सकें। इसका मतलब है कि हमें उन क्षेत्रों में विस्तार करना होगा, जो सदियों से हरे-भरे रहे हैं।

संवेधनशील पारिस्थितिकी क्षेत्रों में विकास का निर्णय स्थानीय स्तर पर हो: वित्त मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि संवेदनशील पारिस्थितिकी क्षेत्रों में विकास संबंधी निर्णय स्थानीय स्तर पर लिए जाने चाहिए। उन्होंने पूछा कि अगर पूरी तरह से विकास से इनकार कर दिया जाए, तो क्या वे लोग, जो सदियों से बिना बदलाव के रहे हैं और अब बेहतर जीवन की आकांक्षा रखते हैं, संतुष्ट रहेंगे? सीतारमण ने बताया कि यह बहस न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है।

जलवायु शिखर सम्मेलन की चर्चा : उन्होंने जानकारी दी कि अगला वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन ब्राजील के अमेजन वर्षावन के किनारे एक सुदूर क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। इससे यह संकेत मिलता है कि अब यह चर्चा दुनिया के सबसे संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्रों तक पहुंच चुकी है।

मेघालय की दो महिला करदाता का हुआ सम्मान : वित्त मंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार कर ढांचे को सरल बनाने और वित्तीय प्रणालियों को अधिक सुलभ बनाने पर काम कर रही है ताकि पारदर्शिता और भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र-विशेष की योजनाएं और स्थानीय मुद्दे संबंधित मंत्रालयों और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (छ्रश्वह्यश्वक्र) के माध्यम से भेजे जाना चाहिए। इससे समय पर मूल्यांकन और कार्रवाई हो सकेगी। इस अवसर पर उन्होंने मेघालय की दो प्रमुख महिला करदाताओं रिमिफुल शायला और वंजोप्लिन को सम्मानित किया और कर प्रणाली में उनके सराहनीय योगदान की सराहना की। केंद्रीय वित्त मंत्री गुरुवार से मेघालय के चार दिवसीय दौरे पर हैं।

युवाओं को मिलेंगे रोजगार के नए अवसर

सीएम सरमा ने किया भारत के पहले एक्वा टेक पार्क का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से असम के सोनापुर में भारत के पहले एक्वा टेक पार्क का उद्घाटन किया। केंद्र सरकार ने 2015 से मत्स्य पालन क्षेत्र में संचयी रूप से 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने सोनापुर में भारत के पहले एक्वा टेक पार्क का उद्घाटन किया। इसका उद्देश्य मछली उत्पादन को बढ़ावा देना और राज्य में रोजगार के अवसर पैदा करना है।

सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इससे संबंधित पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि भारत का पहला एक्वा टेक पार्क असम के सोनापुर में उद्घाटन किया गया। यह मछली उत्पादन को काफी बढ़ावा देगा और असम में युवाओं को पर्याप्त कमाई के अवसर प्रदान करेगा।

केंद्र ने 2015 से मत्स्य पालन क्षेत्र में 38,572 करोड़ रुपये का निवेश किया: पीआईबी द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 2025-26 की बजट घोषणा रणनीतिक रूप से वित्तीय समावेशन को बढ़ाने, सीमा शुल्क को कम करके किसानों पर वित्तीय बोझ को कम करने और समुद्री मत्स्य पालन के विकास को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। केंद्र सरकार ने 2015 से मत्स्य पालन क्षेत्र में संचयी रूप से 38,572 करोड़

रुपये का निवेश किया है। इसके परिणामस्वरूप देश में मछली उत्पादन दोगुना हो गया है।

मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए सरकार की योजनाएं: सरकार ने मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं भी शुरू की हैं। इसमें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) की परिकल्पना 2020 में की गई थी ताकि मछुआरों, मछली किसानों और अन्य हितधारकों के सामाजिक-आर्थिक कल्याण को सुनिश्चित करते हुए मत्स्य पालन क्षेत्र को नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद मिल सके। यह 20,050 करोड़ रुपये के निवेश के साथ पाँच वर्षों (2020-21 से 2024-25) की अवधि के लिए लागू है। यह पहल अंतर्देशीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में मजबूती से उतरती है। उत्पादन बढ़ाने और मजबूत खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देती है।

हम्माल-तुलैया संघ की हड़ताल स्थगित, मंडियां पूर्ववत जारी रहेंगी

इंदौर। लक्ष्मीबाई नगर और संयोगितागंज मंडी में हम्माल-तुलैया संघ द्वारा 14 जुलाई से प्रस्तावित हड़ताल को स्थगित कर दिया गया है। यह निर्णय आज अपर कलेक्टर और भारसाधक अधिकारी मंडी, रोशन राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। बैठक में तय हुआ कि भारतीय किसान संघ, व्यापारी प्रतिनिधियों, हम्माल प्रतिनिधियों और तौल कांटा संचालकों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की जाएगी। हम्माल-तुलावटियों ने आगामी बैठक तक मंडी में तुलाई की पूर्व व्यवस्था जारी रखने पर सहमति जताई, जिसके बाद हड़ताल स्थगित करने की घोषणा की गई। मंडी प्रशासन ने बताया कि अब कार्य सुचारू रूप से संचालित रहेगा और किसानों को कोई असुविधा नहीं होगी। मंडी समिति ने व्यापारियों और संघ प्रतिनिधियों से समन्वय बनाए रखने की अपील की है।

भारत में निवेश के लिए सऊदी कंपनियों को नड्डा का आमंत्रण

नई दिल्ली। सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर गए केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा ने शनिवार को सऊदी कंपनियों से भारत में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया। उनके साथ भारतीय उर्वरक कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतिनिधि भी मौजूद थे। यात्रा के दौरान नड्डा ने सऊदी-भारत व्यापार परिषद के चेयरमैन अब्दुलअजीज अल कहतानी से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। उन्होंने सऊदी अरब के पूर्वी प्रांत दम्मम में व्यापारिक समुदाय से भी संवाद किया और भारत में रसायन, उर्वरक और पेट्रोकेमिकल जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को रेखांकित किया। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि मंत्री ने सऊदी कंपनियों को भारत में मौजूद व्यापक अवसरों के बारे में जानकारी दी और उन्हें साझेदारी के लिए आगे आने को प्रोत्साहित किया।

'एक्स' ने भारत में सदस्यता शुल्क में की बड़ी कटौती

नई दिल्ली। सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' ने भारत में अपने खाते की सदस्यता शुल्क में भारी कमी की है। कंपनी ने मोबाइल ऐप पर 'प्रीमियम' खाते का मासिक शुल्क 900 रुपए से घटाकर लगभग 470 रुपए कर दिया है, जो लगभग 48 प्रतिशत की कटौती है। वेबसाइट पर 'प्रीमियम' सेवा का शुल्क 650 से घटाकर 427 रुपए किया गया है। सामान्य ग्राहक के लिए मासिक शुल्क 243.75 रुपए से कम होकर 170 रुपए हो गया है, जबकि वार्षिक शुल्क 2,590.48 से घटाकर 1,700 कर दिया गया है।

पंजाब नैशनल बैंक का कृषि आउटरीच कार्यक्रम पिपरिया में सफलतापूर्वक सम्पन्न

भोपाल, निप्र। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन 11 जुलाई 2025 को पिपरिया, जिला होशंगाबाद में श्री जतिंदर मनकोटिया, ज़ोनल मैनेजर के नेतृत्व में सफलतापूर्वक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री संजीवन निखार, मुख्य महा प्रबंधक, प्रधान कार्यालय, पीएनबी थे। इस अवसर पर श्री भगवानदास अग्रवाल, अध्यक्ष - ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन सहित क्षेत्र के प्रमुख कॉरपोरेट्स एवं गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। ज़ोनल और प्रधान कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लेकर क्षेत्र के प्रमुख व्यवसायियों के साथ सार्थक वन-टू-वन संवाद किया। कार्यक्रम में मौजूदा एवं संभावित ग्राहकों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे इस पहल को और अधिक प्रभावशाली बनाने में सहायता मिली।

इस विशेष अवसर पर 35 करोड़ की स्वीकृति पत्र विभिन्न लाभार्थियों एवं स्व-सहायता समूह सदस्यों को वितरित किए गए, जो बैंक की ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। कार्यक्रम का समापन श्री धीरेंद्र झा, सर्कल हेड, भोपाल के द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

चीन की आपूर्ति पर निर्भरता खत्म करेगा भारत

हैदराबाद में स्थापित होगा रेयर अर्थ मैग्नेट प्लांट

नई दिल्ली, एजेंसी। कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने हैदराबाद में रेयर अर्थ मैग्नेट (दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक) के उत्पादन की योजना बनाई है। उन्होंने बताया कि हम रेयर अर्थ रमानेंट मैग्नेट्स के लिए 100 प्रतिशत चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति रोक दी है।

केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के लिए अपने व्यापक प्रयास के तहत हैदराबाद में रेयर अर्थ मैग्नेट का उत्पादन शुरू करने का फैसला किया है। कोयल और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को यह जानकारी दी।

परमानेंट मैग्नेट्स का होगा निर्माण:

मंत्री ने कहा कि हमारी खनन मंत्रायल का संस्थान विभिन्न उद्योगों के साथ मिलकर आवश्यक मशीनरी के निर्माण पर गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि अगले तीन से चार महीनों में भारत स्थायी चुम्बकों के निर्माण की अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा। यह परियोजना उद्योग, खनन और अन्य मंत्रालयों के सहयोग से आगे बढ़ रही है और इसकी चर्चा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ भी की गई है।

चीन ने रेयर अर्थ मैग्नेट की आपूर्ति रोकी: भारत की सोर्सिंग रणनीति में बदलाव के बारे में बताते हुए रेड्डी ने कहा हम रेयर अर्थ रमानेंट मैग्नेट्स के लिए 100 प्रतिशत चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति रोक दी है।चीन ने अप्रैल 2024 में घोषणा की थी कि वह कुछ रेयर अर्थ संबंधित वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लगाएगा, जिससे भारत सहित वैश्विक आपूर्ति में कमी आ जाएगी।

आईसीईए ने की सराहना: इस संदर्भ में, शुक्रवार को इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज मोहिन्द्रू ने केंद्र सरकार की इस पहल का स्वागत किया। उन्होंने विशेष रूप से सरकार द्वारा प्रस्तावित प्रोत्साहनों की सराहना की।

राष्ट्रीय क्रिटिकल मिनरल मिशन: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई, 2024 को पेश किए गए केंद्रीय बजट में 'क्रिटिकल मिनरल मिशन' शुरू करने

संक्षिप्त समाचार

बिहार के 80.11 प्रतिशत मतदाताओं ने जमा कराया गणना प्रपत्र : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि बिहार के लगभग सभी मतदाताओं से सीधा संपर्क स्थापित करने का काम पूरा कर लिया गया है। बिहार के 80.11 प्रतिशत मतदाता पहले ही अपना गणना प्रपत्र जमा कर चुके हैं। आयोग ने बताया कि प्रपत्र ईसीआई नेट में नया सत्यापन मॉड्यूल पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। ईसीआईनेट एक नव-विकसित एकीकृत सॉफ्टवेयर है जिसमें पहले से मौजूद सभी 40 ईसीआई ऐप्स समाहित हो गए हैं। चुनाव आयोग ने शनिवार को जारी की गई जानकारी में बताया कि 77,895 बीएलओ और 20,603 नए नियुक्त बीएलओ के साथ चुनाव आयोग 25 जुलाई 2025 की निर्धारित समय सीमा से पहले ही गणना प्रपत्र एकत्र करने का काम पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उद्देश्य के लिए सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों के 38 जिला निर्वाचन अधिकारियों, निर्वाचक पंजीयन अधिकारियों और 963 सहायक अधिकारी सहित क्षेत्रीय स्तर की टीमों पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा कड़ी निगरानी रखी जा रही है। आयोग ने बताया कि 100 प्रतिशत मुद्रण कार्य पूरा होने और पते पर पाए गए सभी मतदाताओं को मतदाता सूची वितरण का काम लगभग पूरा हो गया है। शनिवार शाम 6 बजे तक 6,32,59,497 लोगों को सूची वितरित किया गया है यानि 80.11 प्रतिशत को पार कर गया। यानी बिहार में हर 5 में से 4 मतदाताओं ने मतदाता सूची जमा कर दी है।

फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों से धोखाधड़ी मामले में 2 धराए

नई दिल्ली/मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को पुणे स्थित एक फर्जी कॉल सेंटर के जरिए अमेरिकी नागरिकों से लाखों डॉलर की ठगी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने ये गिरफ्तारी मैग्नेटेल बीपीएस कंसल्टेंट्स एंड एलएलपी के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी से जुड़े मामले में अहमदाबाद, जयपुर, जबलपुर और पुणे में छापेमारी के बाद की है। प्रवर्तन निदेशालय ने जारी एक बयान में कहा कि ईडी, मुंबई ने मेसर्स मैग्नेटेल बीपीएस कंसल्टेंट्स एंड एलएलपी की साइबर धोखाधड़ी गतिविधियों की चल रही जांच के सिलसिले में अहमदाबाद, जयपुर, जबलपुर और पुणे स्थित कई परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया और इससे जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एजेंसी ने कहा कि मेसर्स मैग्नेटेल बीपीएस कंसल्टेंट्स एंड एलएलपी एक फर्जी ऋण योजना के माध्यम से अमेरिकी नागरिकों को निशाना बना रहा था। ईडी के अधिकारियों ने इस तलाशी अभियान के दौरान 7 किलोग्राम सोना, 62 किलोग्राम चांदी, 1.18 करोड़ रुपये नकदी, 9.2 करोड़ रुपये मूल्य की अचल-संपत्ति के दस्तावेज और फर्जी कॉल सेंटर के संचालन से संबंधित डिजिटल साक्ष्य जब्त किए हैं।

हैदराबाद में स्थापित होगा रेयर अर्थ मैग्नेट प्लांट- किशन रेड्डी

हैदराबाद। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता के लिए व्यापक प्रयास के तहत हैदराबाद में रेयर अर्थ मैग्नेट (दुर्लभ मृदा चुम्बक) का उत्पादन शुरू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि चीन की आपूर्ति पर अंकुश लगाने के लिए भारत दुर्लभ पृथ्वी चुंबक उत्पादन को बढ़ावा देगा। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने यहां मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि चीन के दुर्लभ मृदा निर्यात नियंत्रण पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने हैदराबाद में दुर्लभ मृदा चुम्बकों का उत्पादन शुरू करने का निर्णय लिया है। इसके लिए भारत सरकार ने कुछ उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं भी शुरू की हैं। किशन रेड्डी ने कहा कि दुर्लभ पृथ्वी के स्थायी चुम्बकों के लिए हम 100 फीसदी चीन पर निर्भर थे। लेकिन हाल ही में चीन ने आपूर्ति करने से इनकार कर दिया है। इसी दृष्टि से भारत सरकार स्थायी चुम्बक निर्माण के लिए प्रयासरत है।

क्रिकेटर शमी की पूर्व पत्नी हसीन पर पड़ोसन से मारपीट का आरोप, वीडियो वायरल

बीरभूम। भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की पूर्व पत्नी हसीन जहां एक बार फिर विवादों में हैं। उन पर जमीन विवाद को लेकर अपनी पड़ोसी महिला के साथ मारपीट का आरोप लगा है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, हसीन जहां की पहली शादी से हुई बेटी अर्शी जहां के नाम पर सिउड़ी के पांच नंबर वार्ड के सोनातोड़ इलाके में एक जमीन है। आरोप है कि उनकी पड़ोसी गुड्डू बीबी उस जमीन को हड़पने की कोशिश कर रही है। इस मुद्दे पर पहले भी हसीन जहां और गुड्डू बीबी के बीच विवाद हो चुका है। शुक्रवार को जब विवादित जमीन पर निर्माण कार्य शुरू किया गया तो गुड्डू बीबी ने उसे कथित तौर पर रोकने की कोशिश की।

उपराष्ट्रपति ने भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, कोटा के चौथे दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

कोचिंग सेंटर अब बन गए हैं 'पोचिंग सेंटर' : उपराष्ट्रपति

जयपुर/कोटा ■ एजेंसी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर अब 'पोचिंग सेंटर' बन चुके हैं। ये सुदृढ़ सांचों में प्रतिभा को जकड़ने वाले काले छिद्र बन गए हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ शनिवार को भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी), कोटा, राजस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंनेकहा कि कोचिंग सेंटर अनियंत्रित रूप से फैल रहे हैं, जो हमारे युवाओं के लिए, जो कि हमारे भविष्य हैं- एक गंभीर संकट बनता जा रहा है। हमें इस चिंताजनक बुराई से निपटना ही होगा। हम अपनी शिक्षा को इस तरह कलंकित और दूषित नहीं होने दे सकते।

उन्होंने कहा, हम गुरुकुल की बात कैसे न करें? हमारे संविधान की 22 दृश्य-प्रतिमाओं में एक गुरुकुल की छवि भी है। हम सदैव ज्ञान दान में विश्वास रखते आए हैं। कोचिंग सेंटर को अपने ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में परिवर्तित करने के लिए करना चाहिए। मैं नागरिक समाज और जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूं कि इस समस्या की गंभीरता को समझें और शिक्षा में पुनर्संयम लाने के लिए एकजुट हों। हमें कौशल आधारित कोचिंग की आवश्यकता है। छात्रों को अंकों से ऊपर सोचने की प्रेरणा देते हुए उन्होंने कहा कि आपकी मार्कशीट और अंक आपको परिभाषित नहीं करेंगे। प्रतिस्पर्धी दुनिया में प्रवेश करते समय, आपका ज्ञान और सोचने की क्षमता ही आपको परिभाषित करेगी।

उन्होंने कोचिंग सेंटरों द्वारा विज्ञापनों पर भारी खर्च की आलोचना करते हुए कहा, अखबारों में विज्ञापनों और होर्डिंग्स पर भारी पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन छात्रों से आता है जो या तो कर्ज लेकर या बड़ी कठिनाई से अपनी पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। यह धन का उपयुक्त उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन भले ही आकर्षक लगें, पर हमारी सभ्यतागत आत्मा के लिए आँखों की किरकिरी बन गए हैं।

धनखड़ ने कहा कि अब देश किसी सैन्य आक्रमण से नहीं, बल्कि विदेशी डिजिटल बुनियादी ढांचे पर निर्भरता से कमजोर और पराधीन होंगे। सेनाएं अब एल्गोरिद्म में बदल गई हैं। संप्रभुता की रक्षा का संघर्ष अब तकनीकी स्तर पर लड़ा जाएगा। उन्होंने तकनीकी नेतृत्व को नई राष्ट्रभक्ति का आधार बताते हुए कहा कि हम एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं- एक नए राष्ट्रवाद के युग में। तकनीकी नेतृत्व अब देशभक्ति की नई सीमा रेखा है। हमें तकनीकी नेतृत्व में वैश्विक अगुवा बनना होगा।

उन्होंने रक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आयात-निर्भरता पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यदि हम रक्षा के क्षेत्र में बाहर से तकनीकी उपकरण प्राप्त करते हैं, तो वह देश हमें ठहराव की स्थिति में ला सकता है। डिजिटल युग में बदलती वैश्विक शक्ति संरचनाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा, 21वीं सदी का युद्धक्षेत्र अब भूमि या समुद्र नहीं है। पारंपरिक युद्ध अब अतीत की बात हो गई है। आज हमारी शक्ति और प्रभाव 'कोड, क्लाउड और साइबर' से तय होते हैं।

डिजिटल आत्मनिर्भरता में भारत को अग्रणी बनाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि हमें अपनी डिजिटल नियति के निर्माता बनना होगा और अन्य देशों की नियति को भी प्रभावित करना होगा। हमारे कोडर, डेटा वैज्ञानिक, ब्लॉकचेन इनोवेटर और एआई इंजीनियर आज के राष्ट्र निर्माता हैं। भारत, जो कभी वैश्विक अग्रणी था, अब केवल उधार की तकनीक का उपयोगकर्ता बनकर नहीं रह सकता। पहले हमें तकनीक के लिए वर्षों प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। अब यह समय सप्ताहों में सिमट गया है। हमें तकनीक का निर्यातक बनना चाहिए।

अपने उद्बोधन का समापन करते हुए उपराष्ट्रपति ने रटंत शिक्षा की संस्कृति की तीव्र आलोचना करते हुए कहा, हम आज रट्टा मारने की संस्कृति के संकट से जूझ रहे हैं, जिसने जीवंत मस्तिष्कों को केवल अस्थायी जानकारी के यंत्रवत भंडारों में बदल दिया है। इसमें न तो कोई आत्मसात है, न कोई समझ। यह रचनात्मक विचारकों की बजाय बौद्धिक 'ज़ॉम्बी' तैयार कर रहा है। रट्टा ज्ञान नहीं देता, केवल स्मृति देता है। यह डिग्रियों को गहराई के बिना जोड़ता है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि दीक्षांत शिक्षा का अंत नहीं, बल्कि जीवन की एक नई शुरुआत है। यह वह पड़ाव है जहां से युवा अपने ज्ञान, विचार और दृष्टिकोण से समाज और देश के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। अपने उद्बोधन में उन्होंने महात्मा बुद्ध के प्रसिद्ध वाक्य 'अप्प दीपो भवः' अपना दीपक स्वयं बनो को उद्धृत करते हुए कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को चाहिए कि वह अपने भीतर प्रकाश उत्पन्न करे और अपनी मेधा से न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करें। समारोह में कुल 189 डिग्रियां प्रदान की गईं। जिनमें से कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (सीएसई) में 123 बीटेक डिग्री, इलेक्ट्रोनिक्स और कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) में 62 बी टेक डिग्री व आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटा इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ सीएसई में 4 एम टेक डिग्री प्रदान की गई।

'विकसित भारत' का मार्ग, 'विकसित केरल' से होकर ही जाता है : अमित शाह

तिरुवनंतपुरम ■ एजेंसी

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केरल प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन किया और विकसित केरल सम्मेलन को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख किया और भाजपा कार्यकर्ताओं को विकसित केरलम व विकसित भारत की संकल्प को पूरा करने की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के भव्य कार्यालय का उद्घाटन करते हुए उन सैकड़ों कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने अपनी जान देकर भाजपा की विचारधारा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किए गए कार्य , केरल में पार्टी के भविष्य की दिशा का संकेत देते हैं। आज केरल में भाजपा के नवनिर्मित कार्यालय का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। इस कार्यालय का भूमि पूजन भी मैंने ही किया था और आज इसका उद्घाटन भी मेरे ही द्वारा सम्पन्न हुआ।

अमित शाह ने कहा कि कार्यालय का उद्घाटन उनके लिए व्यक्तिगत रूप से विशेष क्षण है, क्योंकि भारतीय जनसंघ के समय से लेकर आजतक की इस यात्रा में ऐसे कई पड़ाव आए हैं जो संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहे हैं। यह कार्यालय केवल संगठन का केंद्र न बनकर, केरल में एनडीए की सरकार बनाने की दिशा में एक सशक्त शुरुआत होगी।

उन्होंने कहा कि अन्य राजनीतिक दलों के लिए कार्यालय मात्र एक काम करने की जगह होता है, लेकिन भाजपा के लिए कार्यालय एक पवित्र स्थल होता है। भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए यह मंदिर के समान होता है। कार्यालय के बिना पार्टी की विचारधारा कार्यकर्ताओं तक नहीं पहुंच सकती और विचारधारा के बिना भाजपा में एक कार्यकर्ता की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत की संकल्पना देश के 140 करोड़ नागरिकों के समक्ष रखी है और इस विकसित भारत का मार्ग, विकसित केरल से होकर ही जाता है। दक्षिण भारत के शक्तिशाली राज्यों के समग्र विकास के बिना विकसित भारत की कल्पना अधूरी है।

गीत और नृत्य महोत्सव

रीगा, लातविया में 13वें लातवियाई स्कूल युवा गीत और नृत्य महोत्सव के दौरान एक भव्य लोक नृत्य कार्यक्रम में प्रस्तुति देते प्रतिभागी। यह महोत्सव, जो हर पाँच साल में आयोजित होता है, देश के सबसे बड़े बच्चों और युवाओं के सांस्कृतिक और कला कार्यक्रमों में से एक है।

हिमाचल में 16 जुलाई तक येलो अलर्ट, अब तक 95 मौतें और 751 करोड़ का हुआ नुकसान

शिमला ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता से बादल जमकर बरस रहे हैं। हालांकि बीती रात राज्य के कई हिस्सों में हुई जोरदार बारिश के बाद शनिवार को अधिकांश इलाकों में बादल छाए रहे, जिससे लोगों को कुछ राहत तो मिली। लेकिन मौसम विभाग ने आगामी दिनों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है। अगले एक सप्ताह तक पहाड़ी प्रदेश के अनेक जिलों में तेज बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 13 जुलाई को मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर जिलों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। 14 जुलाई को ऊना, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। 15 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी वर्षा की चेतावनी है, जबकि 16 जुलाई को लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर बाकी सभी 10 जिलों में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने 18 जुलाई तक राज्यभर में मौसम खराब रहने की आशंका जताई है।

बीते 24 घंटों में मंडी जिले के मुरारी देवी क्षेत्र में सर्वाधिक 130 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जबकि हमीरपुर के अघ्घर में 100 मिमी, मंडी के पंडोह में 80 मिमी, कुल्लू के कोठी में 60 मिमी और मंडी शहर में 50 मिमी बारिश दर्ज हुई।

महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी के चेहरे पर विस चुनाव लड़ने पर बनी सहमति

पटना ■ एजेंसी

राजधानी पटना में शनिवार को महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक में तेजस्वी यादव के चेहरे पर विधानसभा (विस) चुनाव लड़ने पर सहमति बनी।

बिहार विधानसभा नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के पोलो रोड स्थित आवास पर आज दोपहर बाद हुई महागठबंधन समन्वय समिति की बैठक करीब चार घंटे तक चली। इस बैठक में सभी पार्टियों ने तेजस्वी यादव के चेहरे पर ही चुनाव लड़ने पर सहमति जतायी। राजद की ओर से बैठक होने के बाद कहा गया कि तेजस्वी यादव के चेहरे पर गठबंधन में कोई संशय नहीं है, उन्हें मुख्यमंत्री का चेहरा मानने पर सभी (घटक दल) संतुष्ट हैं।

राजद प्रवक्ता शक्ति यादव ने बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में बताया कि नीतीश सरकार के पास कोई विजन नहीं है। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन में जिसको जो सीट मिल जाए, वही सीट ले लेगा। मगर महागठबंधन में आंतरिक लोकतंत्र है। सभी को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी।

इससे पहले नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अध्यक्षता आईएनडीआई गठबंधन की बैठक में पहले समन्वय समिति की मीटिंग हुई, इसके बाद सभी उपसमितियों की बैठक हुई। करीब 4 घंटे तक चली इन बैठकों में गठबंधन के नेताओं ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहनता से चर्चा की। उप समिति ने समन्वय समिति के सदस्यों को अपनी रिपोर्ट पेश की। बैठक में यह तय किया गया कि चुनाव आयोग के मतदाता गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर महागठबंधन गांव-गांव जाएगा।

राजद सांसद अभय कुशवाहा ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण के मसले पर हम एकजुट हैं।

हवलदार संजय सिंह पुष्पवाण को मरणोपरांत डैग हैमरस्कॉल्ड पदक से किया सम्मानित

रुद्रप्रयाग ■ एजेंसी

उत्तराखंड राज्य के रुद्रप्रयाग जिले के ऊखीमठ तहसील के किमाणा गांव निवासी व 11वीं गढ़वाल राइफल के हवलदार संजय सिंह पुष्पवाण को मरणोपरांत डैग हैमरस्कॉल्ड पदक से सम्मानित किया गया। शनिवार को सूबेदार धर्म सिंह और नायक आशीष सिंह ने उनके घर पहुंचकर यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान उनकी पत्नी आशा देवी और पिता दौलत सिंह को प्रदान किया। हवलदार संजय सिंह बीते वर्ष संयुक्त राष्ट्र शांति सेवा में तैनात रहते हुए बीते वर्ष 10 जलाई को युगांडा में निधन हो गया था। शनिवार को 11वीं गढ़वाल रायफल के सूबेदार धर्म सिंह और नायक आशीष सिंह बलिदानी हवलदार संजय सिंह पुष्पवाण के घर किमाणा गांव पहुंचे। यहां, उन्होंने बलिदानी की पत्नी आशा देवी, पिता दौलत सिंह और परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की। साथ ही भरोसा दिया कि सेना उनकी हरसंभव मदद करेगी। उल्लेखनीय है कि बीते वर्ष हवलदार संजय सिंह, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो में यूनाइटेड नेशंस स्टैबलाइजेशन मिशन के तहत यूगांडा में तैनात किया गया था। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में सेवा करते हुए 10 जुलाई 2024 को हवलदार संजय सिंह पुष्पवाण ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। हवलदार संजय सिंह पुष्पवाण और ब्रिगेडियर जनरल (संयुक्त राष्ट्र शांति सेना पद) अमिताभ झा को संतुक्त राष्ट्र शांति सैनिक अंतरराष्ट्रीय दिवस 29 मई को मरणोपरांत यूनाइटेड नेशंस में एक समारोह में मरणोपरांत डैग हैमरस्कॉल्डर पदक से सम्मानित करने की घोषणा की गई थी।

पश्चिम मध्य रेल

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय) मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम डब्ल्यू.-जे.बी.पी-107-2025 दिनांक 09.07.2025, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** इटारसी-जबलपुरः-मंडल इंजीनियर (दक्षिण) जबलपुर के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत ट्रैक संरचना का सुधार और रखरखाव का कार्य, **कार्य का अनुमानित मूल्यः** ₹ 2,24,00,625/-, **बयाना राशि रूपयेः** ₹ 2,62,000/-, **समापन अवधिः** 10 माह, **निविदा, प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 01.08.2025, **निविदा खुलने का समय 15.15 बजे तिथिः** 01.08.2025 । **नोटः** उपरोक्त ई-निविदा के संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **"https://ireps.gov.in"** उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नही की जायेगी। **(हस्ता.)**
मंडल रेल प्रबंधक (कार्य)
पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने गुजरात में आयोजित किया पश्चिमी क्षेत्रीय राज्यों का जोनल सम्मेलन

महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिए मप्र सरकार निरंतर प्रयासरत : भूरिया

केवड़िया (गुजरात) ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश अपनी जनजातीय बहुलता और भौगोलिक विविधता के बावजूद, महिलाओं और बच्चों के संपूर्ण सशक्तिकरण के लिये निरंतर प्रयासरत है। गुजरात के केवड़िया में शनिवार को केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित पश्चिमी क्षेत्रीय राज्यों के जोनल सम्मेलन में मध्य प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने राज्य में चल रहे योजनाओं, नवाचारों और जमीनी पहल का प्रभावशाली विवरण प्रस्तुत किया। बैठक केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की ऑनलाइन नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की गई है, जिससे लगभग 19,500 पदों की पारदर्शी तरीके से पूर्ति हो रही है। यह प्रक्रिया हर छह माह में रिक्तियों के अनुसार नियमित रूप से संचालित की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में एम्स भोपाल के सहयोग से पोषण ट्रैकर डेटा की गुणवत्ता में सुधार किया गया है। कार्यकर्ताओं के लिए नेत्र परीक्षण अभियान भी चलाया जा रहा है, जिससे स्मार्टफोन आधारित ऐप संचालन में उन्हें सुविधा मिले। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि झाबुआ जिले में मोटी आई कार्यक्रम और डिण्डौरी जिले में रेवा प्रोजेक्ट जैसे नवाचारों के माध्यम से कुपोषण उन्मूलन में अद्भुत परिणाम मिल रहे हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड नर्मदापुरम
पुलिस कन्ट्रोल रूम के सामने, पिपरिया रोड
दूरभाष क्रमांक 07574-252571 (फेक्स) 07574-253119 Email Address – eephedhos@mp.nic.in

।। निविदा आमंत्रण सूचना ।।

निम्नलिखित कार्य की निविदाऐं ई-टेण्डरिंग पद्धति से पोर्टल **http://mptenders.gov.in** पर नर्मदापुरम जिले के विकासखंड **सोहागपुर** के ग्राम चीचली, पथरई, परसवाडा एवं जिजवाडा में 'जल जीवन मिशन' अंतर्गत नलजल योजनाओं के शेष कार्यो (बैलेंस वर्क) के कियान्वयन के तहत, आरसीसी उच्च स्तरीय टंकी, आरसीसी सम्पवेल कम पम्प हाउस निर्माण/आरसीसी फ्रेम्ड ब्रिक मेसोनरी पंप हाउस निर्माण, मोटर पंप स्थापना, पाईप लाईन बिछाना, घरेलु नल कनेक्शन, विद्युत संयोजन इत्यादि कार्य तथा समस्त सामग्री एवं लेबर सहित योजनाओं की टेस्टिंग, कमीशनिंग, 90 दिवस तक ट्रायल रन कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा क्रमांक/दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखंड का नाम	ग्रामों की संख्या	ग्राम का नाम	निविदा की कुल लागत (रूपये में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की समयावधि	ठेकेदार की श्रेणी
09/25-26 दिनांक 10-07-2025	2025_PHED_436306_1 Second Call	सोहागपुर	4	1चीचली 2पथरई 3परवाडा 4जिजवाडा	6876000/-	68760/-	10000/-	180दिवस वर्षा ऋतु सहित	नवीन केन्द्रीयकृत पंजीयन प्रणाली

ऑनलाईन निविदा फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि		21-07-2025 17:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा दर प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि		21-07-2025 17:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा दर खोलने की तिथि		22-07-2025 17:00 बजे से

जी15507/25

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड, नर्मदापुरम

सेमरी हरचंद में हुई दर्दनाक दुर्घटना, भेड़ कुचले गए

ट्रक चालक की लापरवाही से हुई दुर्घटना, पुलिस कर रही जांच

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

राजस्थान से मध्य प्रदेश में अपने भेड़ और ऊंट लेकर आए एक समूह के साथ एक दर्दनाक दुर्घटना हुई। नर्मदापुरम जिले के सेमरी हरचंद के स्टेट हाईवे 22 पर एक ट्रक चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाकर लगभग 50 से 60 भेड़ों को कुचल दिया, जिससे कई भेड़ों की मौत हो गई और कई घायल हो गईं।

भेड़ मलिक रुपाराम ने बताया कि वे अपने भेड़ों के समूह को लेकर राजस्थान से मध्य प्रदेश आए थे और सोहागपुर पिपरिया होते हुए उदयपुरा देवरी से राजस्थान वापस जा रहे थे। जब वे सड़क किनारे चल रहे थे, तभी एक ट्रक चालक तेज गति से लापरवाही पूर्वक आया और उनके लगभग 50 भेड़ों को कुचल दिया। कांग्रेस के पूर्व सचिव यशवंत सिंह राजपूत ने बताया कि वे निजी कार्य से निकल रहे थे जब उन्होंने महिलाओं और छोटे बच्चों की सड़क पर रोने की आवाज सुनी। जब वे वहां पहुंचे तो देखा कि भेड़ कुचले पड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि चूंकि ये लोग दूसरे प्रदेश से आए थे, इसलिए उन्होंने उनकी मदद करने का फैसला किया। सेमरी हरचंद पुलिस चौकी प्रभारी आकाशदीप पचाया ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद वे मौके पर पहुंचे और यातायात दुरुस्त करवाया।

पर्यावरण संरक्षण एवं शासन निर्देशों के अनुपालन पर भी दिया गया विशेष ध्यान

मुस्कान बालिका गृह में पहुंचा निरीक्षण दल, बच्चियों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास व्यवस्था पर संतोष

इटारसी ■ निसं

महिला एवं बाल विकास विभाग, नर्मदापुरम के निर्देशानुसार सभी बाल संरक्षण संस्थाओं के निरीक्षण एवं मूल्यांकन के क्रम में एडीएम श्री डी.के. सिंह के नेतृत्व में एक विशेष निरीक्षण दल ने मुस्कान बालिका गृह, इटारसी का दौरा किया। इस अवसर पर उनके साथ महिला बाल विकास अधिकारी ललित कुमार डेहरिया, बाल संरक्षण अधिकारी आशु पटेल एवं रईस कुमार, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष शैलेन्द्र कौरव, सदस्य श्याम सिंह मीणा एवं सारिका कतरे तथा समाजसेवी डॉक्टर देवदत्त भी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान दल ने बच्चियों से आत्मीय संवाद कर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं पुनर्वास व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। एडीएम श्री डी.के. सिंह ने पूर्व में निरीक्षण किया एवं नए पौधों का वृक्षारोपण भी किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में संस्था की सक्रिय भागीदारी की सराहना की।

संस्था के संचालक मनीष ठाकुर ने बताया कि वर्तमान में 33 बच्चियाँ संस्था में निवासरत हैं, जबकि इस वर्ष 45 बालिकाओं का सफल पुनर्वास किया गया है। सभी बच्चियाँ शिक्षा से जुड़ी हुई हैं एवं स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण भी प्राप्त कर रही हैं।

एडीएम डी.के. सिंह ने कहा- बालिकाओं के सुरक्षित, स्वस्थ और स्नेहमयी वातावरण में पालन-पोषण के लिए शासन पूर्णत: प्रतिबद्ध है। पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता, पोषण और शिक्षा के साथ-साथ बच्चियों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी बाल संरक्षण संस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण अत्यंत आवश्यक है। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन द्वारा जारी मानकों का गंभीरता से पालन करें एवं यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं विकासशील वातावरण मिले।

निरीक्षण दल ने शिशु गृह एवं जीवोदय संस्था का भी भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक सुझाव प्रदान किए।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने करणी सेना पर चलाई लाठियां, दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

हरदा। हरदा में थाने के सामने प्रदर्शन कर रहे करणी सेना के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर खदेड़ा। कार्यकर्ता पुलिस पर आरोपी से रुपए लेकर मनमानी कार्रवाई के आरोप लगाते हुए नारेबाजी कर रहे थे। पुलिस को हालात काबू करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान करणी सेना के जिलाध्यक्ष सुनील राजपूत ने मौके पर मौजूद एसआई अनिल गुजर को धमकी दी। उन्होंने कहा कि वर्दी उतारकर आ जाना, यहां माहौल बिगड़ा तो इसकी जिम्मेदारी पुलिस की होगी। पुलिस ने इस मामले में करणी सेना के जिलाध्यक्ष सुनील राजपूत, आशीष राजपूत, शुभम और रोहित के खिलाफ बीएनएस की धारा 170 के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से चारों को जेल भेजा गया।

हरदा के 20 से ज्यादा गांवों में आज बिजली कटौती

हरदा। हरदा जिले में कल यानी रविवार को मेंटेनेंस कार्य के कारण 20 से अधिक गांवों में बिजली सप्लाई बाधित रहेगी। अलग-अलग क्षेत्रों में सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक बिजली कटौती की जाएगी। 132 केवी उपकेन्द्र छीपाबड़ से निकलने वाले 33 केवी टेमलावाड़ी फीडर पर तकनीकी कार्य किया जाएगा। इसके चलते टेमलावाड़ी और सोमगांव उपकेन्द्र से जुड़े सभी 11 केवी फीडर प्रभावित रहेंगे। प्रभावित गांवों में टेमलावाड़ी, खेड़ा, कुड़िया हीरापुर, जयमलपुरा, प्रतापपुरा, गोपालपुरा, भवदा, जुनापानी, भवर्दी, मक्तापुर, पीएम नवोदय विद्यालय चारूवा सोमगांव, नहाली, हसनपुरा, भगवानपुरा और कांधमी शामिल हैं। यह कटौती सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक रहेगी। 33 केवी करताना लाइन पर भी मेंटेनेंस कार्य होगा। इससे करताना, तजपुरा, सन्यासा, शमशाबाद, छीपानेर और गोंदा गांवों से जुड़े क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

मोबाइल देने से मना करने पर छोटे भाई की हत्या

हरदा। हरदा के छीपाबड़ थाना क्षेत्र के ग्राम मांदला में गुरुवार रात साढ़े ग्यारह बजे मोबाइल फोन के विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजा उर्फ राजल काजले के रूप में हुई है, जो ग्राम हिवाला का रहने वाला था और एक किसान के खेत पर मजदूरी करता था। राजल की पत्नी लक्ष्मीबाई ने बताया कि उसका पति गुरुवार रात 11:30 बजे मोबाइल चला रहा। इस दौरान राजा ने अपना मोबाइल फोन बड़े भाई राजू को दिया था। इसके बाद जब राजा ने फोन वापस मांगा तो राजू आक्रोशित हो गया। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ। राजू ने गुस्से में आकर डंडे से राजा पर हमला कर दिया, जिससे उसके दाहिने कान से खून निकलने लगा और मौके पर ही मौत हो गई। एसपी अभिनव चौकसे ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने ड्रोन और डॉग स्क्वायड की मदद से तलाश कर अगली सुबह आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

नगरपालिका कार्यालय में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हुआ कार्यक्रम

43 हितग्राहियों को एक साथ कराया गृह प्रवेश, 215 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया

भविष्य के शहर वह होंगे जहां सभी का पक्का मकान होगा- विधायक डॉ सीताशरण शर्मा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका सभाकक्ष में आज खुशी का दिन था। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 43 हितग्राही अपने नवीन घर में प्रवेश कर रहे थे तो 215 हितग्राहियों को स्वीकृत पत्र प्रदान किए जा रहे थे। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र 43 हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया एवं पीएमएवाय 2 के तहत नए 215 हितग्राहियों को नवीन स्वीकृत पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले, नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा, भाजपा नेता पं.पीयूष शर्मा, नोडल अधिकारी अंबक पाराशर सहित भाजपा के कार्यकर्ता, सभापतिगण, पार्षदगण और नगपालिका के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही इंदौर के विलियंट कांवेन्स सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को सीधा प्रसारण के माध्यम से सुना गया।

नपाध्यक्ष का सराहनीय कार्य : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं विधायक डॉ सीताशरण शर्मा ने कहा कि भविष्य के शहर वह होंगे जहां सभी का पक्का मकान होगा। हर नागरिक को सम्मानपूर्वक जीवन मिले। उन्होंने सौगात देने पर प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नगरपालिका द्वारा आवास योजना में पूर्व की गलतियों को सुधारते हुए नपाध्यक्ष ने नवीन आवास स्वीकृति का जो प्रयास किया है वाकई सराहनीय पहल है।

आवास योजना से पक्की छत का सपना होता है पूरा: राज्य सभा माया नारोलिया ने लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री आवास योजना से गरीबों का घर बनाने का सपना पूरा होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का उद्देश्य है कि हर व्यक्ति के सिर पर छत हो और यह योजना उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फूलमाला से किया हितग्राहियों का स्वागत: कार्यक्रम में हितग्राहियों को बुलाकर उनका फूलमालाओं से स्वागत किया गया। उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा कहा कि जल्द प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री की विशेष सौगात से आपके पक्के घर का सपना सच होगा।

165 हितग्राहियों की दूसरी डीपीआर तैयार

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने आवास योजना की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर में 1387 आवास पूर्ण हो चुके हैं। अब प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 की नवीन डीपीआर स्वीकृत की गई है। शासन से राशि प्राप्त होते ही एक लाख रुपए की पहली किश्त पात्र हितग्राहियों को जारी कर दी जाएगी। अनुमानित 165 हितग्राहियों को दूसरी डीपीआर की स्वीकृति की कार्रवाई की जा रही है। नपाध्यक्ष श्रीमती यादव ने इस सौगात पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का आभार माना। कार्यक्रम का आभार नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने व्यक्त किया।

श्री समर्पण श्री ने नगर व्यवस्था में सुधार हेतु सीएमओ को भेंट किए फूल

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शहर के नगर व्यवस्था में सुधार हेतु श्री समर्पण श्री लगातार संघर्ष करती आ रही है, इसी तारतम्य में आज श्री समर्पण श्री ने नगर व्यवस्था में सुधार हेतु एवं नगर प्रशाशन को नींद से जगाने हेतु गांधिवादी तरीके से सीएमओ को फूल भेंट किए।

सुगंधित फूल देने के तात्पर्य ये है कि जिस तरह फूल की खुशबू से वातावरण सुगंधित हो जाता है और व्यक्ति का मन उस सुगंध से प्रफुल्लित हो जाता है तो हमारी सीएमओ से अपेक्षा है कि वो जल्द से जल्द शहर में मच रही गंदगी और बदबू से शहर को मुक्त करे एवं शहर वासियों को एक सुगंधित वातावरण उपलब्ध करवाए जिसे देखकर नगरवासी अपनी नाक न सिकोड़े बल्कि आनंदित मन से उस वातावरण का लुफ्त उठाए लेकिन श्री समर्पण श्री द्वारा लगातार संघर्ष करने के बाद भी आप ऐसा नहीं कर पा रही है जिससे यह प्रतीत होता है कि आपकी नगर के प्रति रुचि शून्य है, जब माननीय मुख्यमंत्री के आने की आहट शहर में होती है तो जिस रूट से सीएम साहब का निकलना होता है वो रूट साफ स्वच्छ कर दिया जाता है जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण अभी 2 दिन पहले का बालागंज एरिया का है जहां से सीएम साहब को निकालना था लेकिन सीएम नहीं आए, वार्ड के लोग इस बात से ही खुश है कि वार्ड में कम से कम झाड़ू तो लगी, आप सीएमओ मैडम जिस तरह आप अपने घर को स्वच्छ रखती है वैसे ही ये नगर भी आपका है और इसको स्वच्छ और सुगंधित रखना आपका दायित्व है। जब तक नगर गंदगी और दुर्गंध से मुक्त नहीं होगा श्री समर्पण श्री की जब तक 8 सूत्री मांगों पर कार्य नहीं होगा जिससे नगर के समस्त नागरिक सुख सुविधा का अनुभव कर सके जब तक संघर्ष जारी रहेगा।

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक मथुरा के खंडेलवाल सेवा सदन में संपन्न हुई। जहां महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि कल्याण दास टंच वाले एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश अग्रवाल की अध्यक्षता में कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में भारतवर्ष से पधारे 33 राज्यों के पदाधिकारी मौजूद थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने बैठक में संगठन को मजबूत करने के लिए अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वह अपना संपर्क, संवाद, समन्वय, सामंजस्य, सेवा, विश्वास कायम करने पर ध्यान केंद्रित करें और कार्य करें। बैठक में मथुरा वृंदावन में अग्रवंशियों द्वारा महाराजा अग्रसेन का भव्य मंदिर एवं धर्मशाला बनाने का संकल्प किया। उन्होंने कहा कि दूरस्थ राज्यों से पधारे सभी पदाधिकरियों ने इस कार्य में सहयोग करने का संकल्प किया। मथुरा वृंदावन में अग्रसेन भगवान एवं माता लक्ष्मी के कुलदेवी माता लक्ष्मी के भव्य मंदिर निर्माण के लिए विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेंद्र गर्ग, राष्ट्रीय महामंत्री हरिओम गर्ग, मंत्री योगेंद्र गोयल ट्रेजरी वाले, संगठन मंत्री अनिल अग्रवाल, संरक्षक मूलचंद गर्ग, राष्ट्रीय सलाहकार महेश कुमार अग्रवाल ब्यावरा म.प्र., बलदेव प्रसाद अग्रवाल, रामेश्वर अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भानु प्रकाश बंसल, रितेश अग्रवाल राष्ट्रीय सचिव, अंकित गुप्ता मध्य प्रदेश, ओम प्रकाश अग्रवाल, संपादक अग्र सत्ता म.प्र. ,अरुण अग्रवाल, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष मृदुला गर्ग, उपाध्यक्ष मीरा अग्रवाल, संगठन मंत्री आशा अग्रवाल, सह संगठन मंत्री मीनाक्षी अग्रवाल, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष मीरा मित्तल, मध्य प्रदेश अध्यक्ष भारती अग्रवाल, छत्तीसगढ़ अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल दतिया अंकित गुप्ता, मध्य प्रदेश राजेंद्र अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, चन्द्र प्रकाश गुप्ता, गोपाल दास काजू वाले, राजकुमार रद्दी वाले, हिमांशु अग्रवाल उत्तर प्रदेश मथुरा आदि से बड़ी संख्या में पदाधिकारी ने अपनी उपस्थिति दर्ज की कार्यक्रम में सदस्यता अभियान में सक्रिय सहयोगियों को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया।

पिपरिया-बनखेड़ी में 1,024 छात्रों को मिली निशुल्क साइकिलें

पिपरिया। पिपरिया और बनखेड़ी में मध्य प्रदेश सरकार की साइकिल वितरण योजना के तहत निशुल्क साइकिल बांटी गईं। पिपरिया में शासकीय कन्या उमावि में हुए कार्यक्रम में 545 साइकिलें दी गईं। इनमें कक्षा 9वीं के 303 और कक्षा 6वीं के 242 स्टूडेंट शामिल हैं। बनखेड़ी के सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज) में 479 विद्यार्थियों को साइकिल मिलीं। कक्षा 9वीं के 357 स्टूडेंट्स में 148 छात्र और 209 छात्राएं शामिल हैं। कक्षा 6वीं के 122 बच्चों में 56 छात्र और 66 छात्राएं हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष बुद्ध कुंवर ने बायज हॉस्टल पिपरिया में 25 गद्दे, चादर और तकिए भी दिए। सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि यह साइकिल वितरण योजना विद्यार्थियों की पढ़ाई को सुगम बनाने के लिए शुरू की गई है।

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

46 महिला एवं 24 पुरुष बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवाएं वितरित की

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम के खण्ड-अ में सेठा कैंसर हॉस्पिटल नर्मदापुरम द्वारा 12 जुलाई 2025 को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से बंदियों के स्वास्थ्य की जांच कर नि:शुल्क उपचार एवं दवाईयों का वितरण किया गया।

शिविर में सेठा कैंसर हॉस्पिटल के अस्थि रोग विशेषज्ञ एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. आरती मीना द्वारा जेल में परिरूद्ध 46 महिला बंदियों का स्त्री रोग संबंधी स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित परामर्श एवं उपचार दिया गया। वहीं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. स्पर्श जैन ने अस्थि रोग से पीड़ित, पुरानी चोटों के दर्द आदि से जूझ रहे 16 महिला एवं 24 पुरुष बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया तथा हड्डी रोगों में बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी भी दी।

इस दौरान काउंसलर डॉ. मयंक तोमर, नर्सिंग स्टॉफ सुश्री कविता कलमे एवं श्री अभिषेक जैन, केम्प समन्वयक श्री नीरज राय एवं समाजसेवी सुश्री भावना बिष्ट ने भी सहयोग प्रदान किया। शिविर में बंदियों को विभिन्न रोगों से बचाव एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी गई।

रिवर व्यू कॉलोनी में भगवान भोलेनाथ मंदिर में फरमान जारी, धार्मिक कार्यक्रमों के लिए प्रबंधन से परमिशन अनिवार्य

धर्माचार्य ने कहा भोले की हर समय पूजा करने से मिलता है फल

सावन के महीने में श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सावन का महीना शुरू हो गया है। श्रद्धालु भगवान भोले की आराधना में लीन हैं और सुबह , दोपहर , शाम और रात को भगवान के मंदिरों में पूजा पाठ जारी है। लेकिन शहर की रिवर व्यू कॉलोनी में भोलेनाथ के मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए एक फरमान जारी कर दिया है जिससे उनकी आस्था को ठेस पहुंची है। यह विवादित मामला रिवर व्यू कॉलोनी के मंदिर का है। कॉलोनी प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से कहा है कि वह समय पर मंदिर आए इसके लिए नोटिस लगा दिया गया है । वहीं मंदिर में कार्यक्रम करने के लिए प्रबंधन की अनुमति लेना अनिवार्य कर दिया है जिससे श्रद्धालुओं का कहना है कि रिवर व्यू कॉलोनी के प्रबंधन ने सावन के महीने में शिव मंदिर में टाइम टेबल लगाया है। वहीं कार्यक्रम की अनुमति की बात कही है जो सही नहीं है। इन दिनों पूजन पाठ दिन भर चल रहे हैं। श्रद्धालु जब समय मिलते हैं पूजन पाठ में लीन रहते हैं लेकिन रिवर व्यू कॉलोनी के प्रबंधन ने इस प्रकार का फरमान जारी कर श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचाई है। इस मामले में धर्माचार्य का कहना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए । शिव मंदिर में तो हर पहर पूजा पाठ की जा सकती है । इसमें अलग-अलग समय में पूजा करने पर अलग-अलग लाभ होते हैं। वही सिटी मजिस्ट्रेट का कहना है कि अभी उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है, मामला उनके संज्ञान में नहीं आया है। कॉलोनी के प्रबंधन ने इस प्रकार श्रद्धालुओं की आस्था से जो खिलवाड़ किया है वह सही नहीं है । लोगों का कहना है कि मंदिर खुला रहना चाहिए और उसमें पूजा पाठ होती रहना चाहिए। रिवर ब्लू कॉलोनी में बने भगवान भोलेनाथ के मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए कॉलोनी के प्रबंधक से परमिशन लेना अनिवार्य कर दिया गया है। इस मामले में धार्मिक लोगों ने विरोध किया है और इसे दुर्भाग्यपूर्ण बताया है।

कॉलोनी वासियों ने लगाया आरोप कहा , यह पूजा के अधिकार को करता है सीमित: रहवासियों ने आरोप लगाया गया है कि यह कदम धार्मिक आस्था का अपमान है और भगवान की पूजा अर्चना के अधिकार को सीमित करता है। मांग की गई है कि इस मामले में प्रबंधन पर प्रशासन को कठोर कार्रवाई करना चाहिए। मंदिर के सामने से समय सारणी का पर्चा हटाया जाए। लोगों ने कहा कि इस मामले में स्थानीय प्रशासन और संत समाज से चर्चा की जाएगी और उचित कार्रवाई की मांग की जाएगी।

समिति की मीटिंग में हुआ था चुनाव लेकिन कर्मचारी ने व्हाट्सएप पर बना दिया अध्यक्ष: सोसायटी कि मीटिंग में 21 लोगों की सहमति से अध्यक्ष ,उपाध्यक्ष , कोषाध्यक्ष चुना गया था, पर एक दो कर्मचारी ने वाट्स एप पर चुनाव करके शुक्ला को अध्यक्ष बना दिया ।

प्रबंधन में कई फरमान जारी कर दिए जिसमें मंदिर पर महिलाओं को कोई भी धार्मिक कार्यक्रम के लिए कार्यलय से परमिशन लेनी होगी। वहीं दूसरा गेट नहीं खोला जाता। कर्मचारी 6 बजे शाम को गेट पर ताला लगा दिया जाता है।

इनका कहना है : मंदिर में हर पहर में पूजा की जा सकती है। मंदिर को बंद नहीं किया जा सकता। सुबह पूजन से साक्षात फल मिलता है , दोपहर को जन्म-जन्म अंतर का और शाम रात को पूजन से पापों का नाश होता है । मंदिर जागृति के लिए बनाए जाते हैं । मंदिर हमेशा खुले रहना चाहिए और कार्यक्रम होते रहना चाहिए । मंदिर में ताला लगाना और किसी चीज की अनुमति लेना गलत है।

आचार्य सोमेश परसाई
धर्माचार्य नर्मदापुरम

भू अर्जन एवं फार्मर रजिस्ट्री के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए : कलेक्टर मीना

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने शनिवार को जिले में भू अर्जन एवं फार्मर रजिस्ट्री के प्रकरणों की अनुविभागवार समीक्षा की। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक भू अर्जन अधिकारी अपने क्षेत्र के लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा कर निर्धारित समय सीमा में निराकरण करें। उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट बृजेन्द्र रावत को निर्देश दिए कि कि अपेक्षा अनुरूप प्रगति न करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित करें। कलेक्टर ने यह निर्देश भी दिये कि जिन अनुविभागीय अधिकारियों के पास अधिक संख्या में प्रकरण लंबित हैं उनकी साप्ताहिक रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।